● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 36, अंक 176, पृष्ठ : 08, सीधी, मंगलवार, 06 अगस्त 2024 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

राहुल ही नहीं, कोई भी अपनी जाति बताने में शर्मसार क्यों हो? 4

चाहे कुछ भी हो जाए मैं नहीं बदलूंगा: रोहित 6

अतिवृष्टि प्रभावितों को मिलेगा मुआवजा : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने जबलपुर-सिवनी-बालाघाट मार्ग पर यात्रा कर अतिवृष्टि से उपजे हालात का लिया जायजा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में अतिवृष्टि से उत्पन्न हालातों का जायजा लेने के लिये आज जबलपुर से सिवनी होते हुए बालाघाट तक सड़क मार्ग से भ्रमण किया। उन्होंने वर्षा प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने अतिवृष्टि से प्रभावित लोगों और पशुओं के लिये पर्याप्त सुरक्षात्मक बंदोबस्त करने के निर्देश प्रशासनिक अधिकारियों को दिये। उन्होंने कहा कि अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों और आम नागरिकों को नियमानुसार क्षतिपूर्ति (मुआवजा) राशि दी जायेगी। मुख्यमंत्री का सड़क मार्ग से यात्रा के दौरान गाँव-गाँव में सभी वर्गों के लोगों के साथ जन-प्रतिनिधियों ने स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मार्ग में आमजन से चर्चा की और संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि सिवनी-

बालाघाट मार्ग जल्दी ही फोरलेन बनाया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुरई महाविद्यालय के नवीन भवन निर्माण और नगरीय क्षेत्र बरघाट में डिवाइडर युक्त मॉडल रोड निर्मित किये जाने की सौगात जनता को दी।

मुख्यमंत्री ने नागनदेवरी, लखनादौन, गनेशगंज, छपारा एवं बंडोल में बहनों से बंधवाई राखी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के सड़क मार्ग द्वारा जबलपुर से सिवनी-जबलपुर सीमा में स्थित ग्राम बंजारी पहुंचने पर विधायक बरघाट श्री कमल मर्सकोले, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मालती डेहरिया एवं वरिष्ठ जिलाधिकारियों सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्राम बंजारी से सिवनी की ओर मार्ग में नागनदेवरी, लखनादौन, गनेशगंज, छपारा तथा बंडोल में बहनों से आत्मीय भेंट कर राखी बंधवाई। उन्होंने बहनों को रक्षाबंधन एवं कृष्ण जन्माष्टमी की बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिवनी जिले में छपारा तहसील स्थित बैनगंगा नदी के पुल पर वाहन रुकवाया एवं बैनगंगा नदी को प्रणाम कर पुष्प अर्पित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भीमगढ़ बांध के बैक वाटर का अवलोकन कर विगत 22 जुलाई को हुई अतिवर्षा से निर्मित बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कलेक्टर सुश्री संस्कृति जैन से अतिवर्षा के दौरान जल भराव क्षेत्र एवं प्रभावित गाँवों के संबंध में जानकारी लेकर आवश्यक प्रबंध करने को निर्देशित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का सड़क मार्ग से सिवनी जिला मुख्यालय पहुंचने पर नगरवासियों द्वारा अभिवादन किया गया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार अगस्त माह बहनों के लिए उत्सव की तरह मना रही है। नारी सशक्तिकरण की दिशा में सरकार द्वारा कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि 10 अगस्त को प्रदेश में रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया जाएगा। इस अवसर पर प्रदेश की लाडली बहनों को प्रतिमाह मिलने वाली 1250 रूपये की राशि के अतिरिक्त 250 रूपये की राशि रक्षा बंधन के लिए उनके बैंक खाते में अंतरित की जा रही है। जिससे वे रक्षा बंधन का त्यौहार पूरे उत्साह से मना सकें। उन्होंने बताया कि 10 अगस्त को ग्रामवार, वार्डवार, निकायवार तथा जिलेवार भव्य आयोजन किए जायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वे सिवनी जिले की बहनों के स्नेह को सदैव अपनी स्मृति में सजों कर रखेंगे।

बांग्लादेश में बिगड़े हालात, शेख हसीना ने इस्तीफा देकर देश छोड़ा

ढाका। बांग्लादेश में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच भड़की हिंसा अब उग्र हो चुकी है। इस बीच बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़कर निकलने की खबरे हैं। उन्होंने अपने पद से भी इस्तीफा दे दिया है। बांग्लादेश के उच्चायोग के एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। साथ ही यह भी कहा गया है कि वह आज ही भारत पहुंच सकती हैं।

हजारों लोग प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास में घुस गए हैं। इस पूरे घटनाक्रम के बीच बांग्लादेश के कानून मंत्री अनीसुल हक ने कहा कि स्थिति काफी गंभीर हो गई है। ढाका में प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश के संस्थापक और शेख हसीना के पिता शेख मुजीब-उर-रहमान की मूर्ति के साथ तोड़फोड़ कर दी।

बांग्लादेश में हाल ही में पुलिस और छात्र प्रदर्शनकारियों के बीच

हिसंक झड़पें हुईं हैं। दरअसल, प्रदर्शनकारी छात्र विवादित आरक्षण प्रणाली को समाप्त करने की मांग कर रहे हैं। इसके तहत बांग्लादेश के लिए वर्ष 1971 में आजादी की लड़ाई लड़ने वाले स्वतंत्रता संग्रामियों के परिवारों के लिए 30 प्रतिशत सरकारी नौकरियां आरक्षित की गईं हैं। बांग्लादेश के सेना प्रमुख वकर-उज-जमान ने कहा कि उन्होंने सेना और पुलिस दोनों से कोई गोली न चलाने को कहा है। वहीं भारत के सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक (कार्यवाहक) दलजीत सिंह चौधरी और वरिष्ठ अधिकारी भारत-बांग्लादेश सीमा सुरक्षा की समीक्षा के लिए कोलकाता पहुंच गए हैं। जानकारी के मुताबिक बीएसएफ ने पड़ोसी देश में हिंसक घटनाक्रम के मद्देनजर भारत-बांग्लादेश सीमा के 4,096 किलोमीटर क्षेत्र में सभी इकाइयों को हाई अलर्ट जारी किया है।

शेख हसीना आज भारत पहुंच गई है। उन्होंने एनएसए अजीत डोभाल से मुलाकात की है। संभावना है कि शेख हसीना लंदन जायेगी।

कांग्रेस ने की सरकार को प्रदेश भर में घेरने की तैयारी

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी एमपी सरकार को भ्रष्टाचार महंगाई बेरोजगारी जैसे मुद्दों को लेकर घेरने की रणनीति तैयार की है। इसे लेकर प्रदेश के अलग-अलग शहरों में प्रदर्शन किए जाएंगे अगस्त माह में ही कर बड़े प्रदर्शन करने की तैयारी है। खास बातें है कि इन प्रदर्शनों में प्रदेश के सभी दिग्गज नेता शामिल होंगे। कांग्रेस का यह प्रदर्शन प्रदेश के चार अगल-अलग संभागों में होगा। कांग्रेसी नेताओं का कहना है कि 1942 की अगस्त क्रांति की तर्ज पर कांग्रेस यह आंदोलन करेगी। दरअसल कांग्रेस का सियासत के बड़े पॉवर सेंटर्स में यह बड़ा शक्ति प्रदर्शन होगा। मध्य प्रदेश

कांग्रेस कमेटी द्वारा जारी किए गए आंदोलन की तारीख के अनुसार 6 अगस्त को निगम भ्रष्टाचार के खिलाफ इंदौर में, इसके बाद 9 अगस्त को लहार, 13 को उज्जैन और 30 अगस्त को यूथ कांग्रेस का युवा क्रांति आंदोलन भोपाल में होगा। इसमें 9 अगस्त को भिंड में कांग्रेस के द्वारा बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद 13 अगस्त को उज्जैन में कलेक्ट्रेट का घेराव होगा। वहीं 30 अगस्त को भोपाल में युवक कांग्रेस सीएम हाउस का घेराव करेगी।

मध्य प्रदेश कांग्रेस पार्टी को विधानसभा और लोकसभा में मिली बड़ी पराजय के बाद पार्टी में एक बार फिर से एकता दिखाई दी है। पार्टी द्वारा किए जा रहे आंदोलन में सभी बड़े नेता पहुंच रहे हैं। हाल ही में नर्सिंग घोटाले को लेकर भोपाल के नरेला विधानसभा में कांग्रेस ने आंदोलन किया था जिसमें पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह से लेकर सभी बड़े नेता पहुंचे थे। अब इन आंदोलनों में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, अरुण यादव, यूथ कांग्रेस अध्यक्ष मितेंद्र सिंह समेत सभी पदाधिकारी और बड़ी नेता शामिल होंगे।

बस देलावाड़ी के पास रेलिंग तोड़कर खाई में गिरी, 40 घायल

सीहोर। सोमवार को भोपाल से लाड़कुई जा रही थी, तभी रहती से पहले दिल आबादी मार्ग पर मोड पर लगी रेलिंग से टकराकर खाई में गिर गई। इस हादसे में करीब 40 लोग घायल बताए जा रहे हैं, जिन्हें उपचार के लिए औबेदुल्लागंज और रेहटी अस्पताल ले जाया गया है।

जानकारी के अनुसार सोमवार की सुबह भोपाल से लाड़कुई के लिए बस निकली थी। ओवरलोड बस बुदनी के देलावाड़ी घाट पर रेलिंग तोड़कर खाई में पलट गई।

कांग्रेस को नजर नहीं आता किसानों का सम्मान: शिवराज

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने सोमवार को राज्यसभा में कहा कि हम किसान सम्मान निधि को लेकर बात कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस किसानों को सीधे मदद देने की बात करती है। कांग्रेस ने कभी भी किसान सम्मान निधि जैसी योजना नहीं बनाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस योजना को लेकर आए। उन्होंने कांग्रेस कभी नहीं समझ सकती कि 6000 रुपये एक छोटे किसान के लिए कितने मायने रखते हैं। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह बोले कि किसान सम्मान निधि ने किसानों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाया है। साथ ही किसानों का सम्मान भी बढ़ा

है। लेकिन विपक्ष को किसानों का सम्मान नजर नहीं आता। उन्होंने कहा कि जब मैं कृषि मंत्री बना तो मैनें कई सारे पूर्व प्रधानमंत्रियों के भाषणों को पढ़ा। जब मैं भाषण पढ़ रहा था तो मैं आश्चर्यचकित था कि कांग्रेस ने कभी भी किसानों को प्राथमिकता नहीं दी। जब मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भाषण पढ़ा तो उनके भाषण में किसान शामिल थे। पीएम मोदी के दिल में किसान कल्याण की भावना है। इसलिए वह किसानों की बात करते हैं। राज्यसभा में शिवराज सिंह बोले कि पिछले दिनों एक नेता ने बड़ी यात्रा की। यात्रा के दौरान वह हरियाणा के सोनीपत गए। यहां उन्होंने सब कुछ वास्तविक दिखाने के लिए रील बनाई। यहां कई सारे कैमरामैन और किसान थे। वह खेत में गए और हल देखकर पूछने लगे कि यह क्या है? एक पूर्व प्रधानमंत्री को तो जब पता चला कि लाल मिर्च का दाम हरी मिर्च से ज्यादा है तो उन्होंने किसानों से पूछा कि किसान लाल मिर्च क्यों नहीं उगाते? इस दौरान सदन में काफी बहस भी हुई।

एमसीडी में सीधे पार्षद नियुक्त कर सकते हैं एलजी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दिल्ली नगर निगम में 10 मेंबर नॉमिनेट करने के उपराज्यपाल के फैसले को मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह की आवश्यकता नहीं है।

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस नरसिम्हा और जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच ने कहा कि एमसीडी में सदस्यों को नामित करने की एलजी की वैधानिक शक्ति है, न कि कार्यकारी शक्ति। सुप्रीम कोर्ट ने उपराज्यपाल के 10 एल्डरमैन नियुक्त करने के फैसले को बरकरार रखा है।

कोचिंग संस्थान डेथ चैम्बर बन चुके हैं: सुको

नई दिल्ली। दिल्ली के राउ आईएएस कोचिंग के बेसमेंट में चल रही लाइब्रेरी में पानी भरने से 27 जुलाई को तीन स्टूडेंट्स की मौत हो गई थी। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्वल भुइयां की बेंच ने दिल्ली के कोचिंग सेंटर्स को डेथ चैम्बर बताया।

बेंच ने कहा- हम कोचिंग सेटर्स की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। कोचिंग सेंटर्स बच्चों की जिंदगी के साथ खेल रहे हैं। कोर्ट ने केंद्र सरकार और दिल्ली के चीफ सेक्रेटरी को नोटिस जारी कर पूछा कि कोचिंग सेंटर्स में क्या सेफ्टी के नियम लागू किए गए हैं? कोर्ट ने कहा कि हमारा ये सोचना है कि अगर कोचिंग सेंटर सेफ्टी नॉर्म को पूरा नहीं करते तो इनको ऑनलाइन मोड में पढ़ाई शुरू कर देनी चाहिए। फिलहाल हम ये नहीं कर रहे हैं। कोर्ट ने केंद्र, दिल्ली सरकार और एमसीडी को नोटिस जारी कर सुरक्षा की जानकारी मांगी है। बेंच ने दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने पर कोचिंग सेंटर फेडरेशन के अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया।

निर्मला सीतारमण बोलीं कोर्ट में जाकर पूछिए

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र का सोमवार को 11वां दिन है। लोकसभा में आज प्रश्नकाल के दौरान सीकर (राजस्थान) से सीपीआई सांसद अमरा राम ने पूछा कि सहारा ग्रुप में निवेश करने वाले कितने लोगों को पैसा वापस किया और कितना किया?

इस पर पहले वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि अभी तक 138 करोड़ रुपए वापस किए जा चुके हैं। अमरा राम इस पर संतुष्ट नहीं हुए और दोबारा सवाल किया। इस बार वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बोलीं- कोर्ट में जाकर पूछिए। वित्त मंत्री बोलीं- सुप्रीम कोर्ट हमें सुपरवाइज कर रहा है। हमारे ऊपर

हाथ उठाने का कोई फायदा नहीं है। सरकार निर्णय नहीं कर सकती। कोई सदस्य बाहर जाकर यह न बोले कि सरकार पैसे नहीं दे रही है। सरकार हाथ जोड़कर बुला रही है कि लोग कागजात के साथ आएं। हम पैसा देने के लिए तैयार हैं।

इसके अलावा केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि सिरियस फ्रॉड इन्वेस्टीगेशन ऑफिस रिफन्ड मामले की पूरी जांच कर रहा है। इसका पता लगाया जा रहा है कि आखिर बड़ी संख्या में निवेशक कंपनी में निवेश किए गए पैसे वापस लेने आगे क्यों नहीं आ रहे हैं। इस पूरे मामलें की निगरानी सुप्रीम कोर्ट कर रहा है और सरकार भी सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर काम कर रहा है।

वक्फ बोर्ड की पावर्स को सीमित करने के लिए सरकार वक्फ बोर्ड अमेंडमेंट बिल को सबसे पहले राज्य सभा में पेश कर सकती है। सूत्रों के अनुसार, ये कहा जा रहा है कि 12 अगस्त को बजट सत्र खत्म होने से पहले ही संशोधन प्रस्ताव पेश हो सकता है। सूत्रों में ये भी दावा किया जा रहा है कि, सरकार ने संशोधन लाने से पहले कई मुस्लिम बुद्धिजीवियों और संगठनों से विचार-विमर्श किया गया है। वक्फ बोर्ड एक्ट में लगभग 32-40 संशोधनों पर विचार किया जा रहा है।

वक्फ एक्ट को पहली बार 1954 में संसद द्वारा पारित किया गया था। इसके बाद, इसे निरस्त कर दिया गया और 1995 में एक नया वक्फ एक्ट पारित किया गया, जिसमें वक्फ बोर्ड को ज्यादा अधिक अधिकार दिए गए। 2013 में, इस अधिनियम में फिर संशोधन किया गया और वक्फ बोर्ड को संपत्ति को वक्फ संपत्ति के रूप में नामित करने का अधिकार दिए गया।

सीबीआई की गिरफ्तारी के खिलाफ केजरीवाल की याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार (5 अगस्त) को अरविंद केजरीवाल की सीबीआई की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। साथ ही जमानत याचिका के लिए निचली अदालत जाने को कहा है।

कोर्ट ने कहा कि यह नहीं कहा जा सकता कि सीबीआई ने केजरीवाल की गिरफ्तारी बिना किसी ठोस कारण के की। कोर्ट ने 29 जुलाई को इसी मामले में हुई सुनवाई में फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुनवाई में सीबीआई ने कहा कि केजरीवाल ही दिल्ली शराब नीति केस के असली सूत्रधार हैं। उनकी गिरफ्तारी के बिना मामले की जांच नहीं की जा सकती थी। एक महीने के भीतर हमने चार्जशीट दाखिल कर दी थी। कोर्ट के फैसले पर आप ने कहा कि सीएम केजरीवाल की सीबीआई की गिरफ्तारी को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे। साथ ही जमानत के लिए अपील भी करेंगे। सीबीआई ने केजरीवाल को 26 जून को अरेस्ट किया था। ईडी ने केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। हालांकि 12 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में जमानत दे दी थी, लेकिन सीबीआई केस के चलते वह जेल में ही हैं।

मुरैना में जर्जर हालत में 400 स्कूल, 41 तो मरम्मत लायक भी नहीं

मुरैना। जौरा ब्लाक के बागचीनी संकुल केंद्र का बावड़ी गांव प्राइमरी स्कूल का एक हिस्सा ढह चुका है। जब क्षतिग्रस्त दीवार से कभी भी पत्थर गिरने लगते हैं। दीवारें जगह-जगह से दरक चुकी हैं, छत की हालत यह है, एक बार बारिश होने पर चार-चार दिन तक छत से पानी टपकता रहा है, फर्श ऊबड़-खाबड़ है। खंडहर हो चुके इस स्कूल में बच्चे तो क्या शिक्षक भी बैठने से डरते हैं, इसीलिए यह स्कूल खुले मैदान में लगता है, जहां छांव के लिए पेड़ तक नहीं। बारिश होती है या फिर लू चलती है, तब इस स्कूल की छुट्टी करनी पड़ती है। यह हालत अकेले बावड़ी गांव के स्कूल की नहीं है, बल्कि मुरैना जिले में ऐसे 400 स्कूल है, जो जर्जर हालत में हैं।

देश भर में बारिश का दौर जारी, 12 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। देशभर में बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने आज मध्य प्रदेश, राजस्थान सहित 12 राज्यों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। एमपी के विदिशा में बेतवा नदी का पानी पुल से ऊपर बह रहा है। नर्मदापुरम् में नर्मदा खतरे के निशान के करीब है।

उत्तर प्रदेश में बारिश से 6 जिले बाढ़ में डूबे हुए हैं। बारिश से जुड़ी घटनाओं में 5 की मौत हो गई। बाढ़ से घिरे जिलों में बलिया, लखीमपुर खीरी, फर्रुखाबाद, सीतापुर, बिजनौर और बाराबंकी शामिल हैं। बदायूं में कछला ब्रिज पर गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। ललितपुर में 6 बांधों के गेट खोले गए।

राजस्थान के जोधपुर में बारिश के कारण दीवार गिरने से 3 मजदूरों की मौत हो गई। वहीं रविवार रात को जोधपुर के ही बालेसर में गोतावर बांध में डूबने से एक युवक की जान चली गई।

उत्तराखंड में अबतक 17 हजार लोगों का रेस्क्यू किया गया है। 10 हजार से ज्यादा लोगों को केदारनाथ यात्रा मार्ग से रेस्क्यू किया गया है। राज्य में अबतक 17 लोगों की मौत हुई है, इनमें 2 मौत केदारनाथ मार्ग में हुई थीं। रविवार को भी 400 यात्रियों को चिनूक और एमआई17 हेलीकॉप्टरों से एयरलिफ्ट कर लिनचोली भेजा गया। भारी बारिश के कारण लैंड स्लाइड और बाढ़ प्रभावित 17 हजार लोगों का रेस्क्यू किया गया है। इनमें केदारनाथ यात्रा में फंसे तीर्थयात्री भी शामिल हैं। अब प्रभावित इलाकों में क्षतिग्रस्त पुल, बिजली के खंबे और कम्युनिकेशन लाइनों को ठीक करने का काम जारी है।

प्रसारण सेवा विधेयक को लेकर केंद्र पर बरसीं प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने मोदी सरकार पर प्रसारण सेवा (विनियमन) विधेयक लाकर डिजिटल मीडिया, सोशल मीडिया, ओटीटी प्लेटफार्मों, निजी तौर पर लिखने और बोलने वालों पर लगाम लगाने की तैयारी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इन हरकतों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया पर महात्मा गांधी (यंग इंडिया, 1922) और जवाहर लाल नेहरू (मार्च, 1940) के कोट्स साझा करते हुए कहा कि गांधी और नेहरू ने भाषण और प्रेस की स्वतंत्रता पर जोर दिया था।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, हमें सबसे पहले स्वतंत्र अभिव्यक्ति और संगठन के अधिकार को हासिल करना चाहिए और इन अधिकारों की रक्षा जान देकर भी करनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा, प्रेस की आजादी का मतलब यह नहीं होता कि जो चीजें हम छपी हुई देखना चाहें, सिर्फ उन्हीं की अनुमति दें, इस तरह की आजादी से तो कोई अत्याचारी भी सहमत हो जाएगा। नागरिक स्वतंत्रताओं और प्रेस की आजादी का मतलब है कि हम जो चीज न चाहें उनकी भी अनुमति दें और अपनी आलोचना बर्दाश्त करें।

प्रियंका गांधी ने कहा, ये दो उदाहरण यह बताते हैं कि हमारे नागरिकों को मिली अभिव्यक्ति और प्रेस की स्वतंत्रता यूं ही नहीं मिली है। इसके लिए वर्षों तक लाखों लोगों ने लड़ाई लड़ी है। नागरिक स्वतंत्रता और प्रेस की आजादी हमारे शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों की महान विरासत है। आजाद भारत के इतिहास में कभी कोई सरकार नागरिकों को मिली स्वतंत्रता को कुचलने के बारे में सोच भी नहीं सकती थी। उन्होंने आगे कहा कि आज एक तरफ सत्ता के जोर से पूरे मीडिया को सरकारी भोंपू बना दिया गया है। दूसरी तरफ, भाजपा सरकार ब्रॉडकास्ट बिल लाकर डिजिटल मीडिया, सोशल मीडिया, ओटीटी प्लैटफॉर्म्स और यहां तक कि निजी हैसियत में लिखने-बोलने वालों की जुबान पर ताला लगाने की तैयारी कर रही है। यह पूरी तरह अस्वीकार्य है। देश ऐसी हरकतों को बर्दाश्त नहीं करेगा।

राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में, केंद्रीय सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री एल मुरुगन ने इसे लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, प्रसारण सेवा (विनियमन) विधेयक, जिसके जरिए केबल टेलीविजन नेटवर्क्स (विनयमिकरण), कानून, 1995 को बदला जाना था, इसकी गाइडलाइंस को हितग्राहियों और आम जनता की टिप्पणियों के लिए 10 नवंबर 2023 को सार्वजनिक डोमेन में रखा गया था।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रसारण सेवा (विनियमन) विधेयक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और स्वतंत्र मीडिया के लिए खतरा है। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने लोगों से सरकार के अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की। हालांकि, कुछ लोगों ने सोशल मीडिया पर इस कानून में कुछ प्रावधानों के बारे में चिंता व्यक्त की। सरकार ने बताया कि विधेयक अभी भी ड्राफ्टिंग स्तर पर है और इसे लेकर हितधारकों से परामर्श जारी है।

जर्जर भवनों में विद्यालय, आंगनवाड़ी संचालित न हो : कलेक्टर

कलेक्टर ने जिले में स्थित जर्जर एवं क्षतिग्रस्त भवनों का सर्वे कर ध्वस्त करने के दिए निर्देश

सिंगरौली। जर्जर भवनो के गिरने से होनी वाली अप्रिय दुर्घटनाओं के रोकथाम के लिए कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला के द्वारा कड़े कदम उठाएं गये है। कलेक्टर ने समय सीमा बैठक के दौरान जर्जर भवनो की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारियो को इस आशय के निर्देश दिये कि कोई भी शासकीय अशासकीय विद्यालय, आगनवाडी केन्द्र, महाविद्यालय का संचालन जर्जर भवनो में संचालित न हो। कलेक्टर यह भी निर्देश दिये कि विभागीय कार्यालय, पंचायत भवन एवं हॉस्टलों की इमारत की स्थिति की जांच कर पुरानी एवं जर्जर अवस्था की हालत में होने वाले इमारतों को चिन्हित किया जाए । जो इमारते मरम्मत योग्य हो उनकी तत्काल मरम्मत करवाई जाए जो भवन अत्यंत जर्जर अवस्था में है मरम्मत कराने योग्य नही है उन्हें ध्वस्त कराये जाने की कार्यवाही करे। साथ ही यह भी सुनिश्चित करें की इन भवनों किसी भी स्थिति में उपयोग न किया जाये। बैठक में ही जिलाधिकारियो का दल गठित कर अपने अपने क्षेत्रो में स्थित

जर्जर भवनो की जॉच कर दो दिवस में जॉच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये। वही जिला शिक्षा अधिकारी एवं महाविद्यालय के प्राचार्य को जिले में संचालित विद्यालय भवनों की जॉच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये।कलेक्टर ने इस आशय के भी जनपद पंचायतो के मुख्य कार्यपालन अधिकारियो को निर्देश दिये कि ग्रामीण क्षेत्रों में जर्जर माकान पाये जाते है। उनके भी गिरने से जन एवं पशु हानि की संभावना बनी रहती है। ऐसे माकानो का अपने स्तर से सर्वे कराकर जॉच प्रतिवेदन प्रस्तुत करे। ताकि होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सके। कलेक्टर ने प्राकृतिक प्रकोपो से होने वाली जन हानि, पशु हानि, फसल हानि से प्रभावित जनो के प्रकरणो का समाधान तीन दिवस में पूर्ण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिये ताकि उन्हे समय पर उचित सहायता मिल सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि ऐसे पुल पुलिया जहा अतिवृष्टि के कारण जल भराव पुल के उपर तक हो जाता है ऐसे स्थलो को चिन्हित कर बोर्ड लगाये तथा जल भराव की स्थिति में किसी भी तरह का आवागमन न हो इसे प्राथमिकता के आधार पर लेते हुये अपने अपने क्षेत्रों में सभी उपखण्ड अधिकारी कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करे।

गोपद पुल का शीघ्र पूर्ण कराये निर्माण कार्य

कलेक्टर ने गोपद पुल की समीक्षा करते हुये एमपीआरडीसी के अधिकारी को निर्देश दिये कि अभी तत्कालीन वर्षा जो दो दिवस पूर्व हुई थी। आवागमन में अत्यन्त कठिनाईयों का सामना करना पड़ा आवागमन को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु गोपद पुल निर्माण का जो भी कार्य शेष है उसे शीघ्र पूर्ण कराये। अन्यथा की स्थिति में संबंधित विभाग के विरूद्ध ठोस कार्यवाही की जायेगी। कलेक्टर ने बैठक के दौरान सवारी बसो से होने वाली दुर्घटनाओं के रोकथाम हेतु जिला परिवहन अधिकारी को इस आशय के निर्देश दिये कि चेकिंग लगाकर बसो की स्थिति की जॉच करे। जिसमें संचालन से संबंधित पेपर बस टायर की स्थिति ड्रायवर कनडेक्टर की ड्रेस सहित सभी विंदुओ की प्राथमिकता के आधार पर जॉच किया जाना सुनिश्चित करे। कलेक्टर ने आबकारी अधिकारी को इस आशय के निर्देश दिये कि ग्रामीण क्षेत्रों एवं अन्य स्थानो पर अवैध रूप से बनाई जा रही शराब या बिक्री जो किया जाता है उसका सघन जॉच कर संबंधितो के विरूद्ध कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करे। कलेक्टर ने जिला रोजगार अधिकारी से इस आशय की जानकारी चाही गई की रोजगार मेले के दौरान पात्र मिले कितने प्रतिभागियों को रोजगार उपलंब्ध कराया गया है उसकी जानकारी उपलंब्ध कराये। वही सीएम हेल्प लाईन में लंबित प्रकरणो के निराकरण के प्रगति की जानकारी लेने के पश्चात निर्देश दिये कि हर हाल में प्राप्त शिकायतों का संतुष्टि पूर्वक निराकरण कर ए ग्रेड प्राप्त करे तथा जन सुनवाई में प्राप्त आवेदनों का भी समय पर निराकरण किया जाना सुनिश्चित किया जाये। बैठक के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेन्द्र सिंह नागेश, अपर कलेक्टर अरविंद झा, पी.के सेन गुप्ता, नगर निगम आयुक्त डी.के शर्मा, तहसीलदार रमेश कोल, प्रीति सिकरवार, जिला परिवहन अधिकारी बिक्रम सिंह राठौर, जिला शिक्षा अधिकारी एस.बी सिंह, डीपीसी आर.एल शुक्ला, महाविद्यालय के प्राचार्य एम.यू सिद्दीकी, महिला बाल विकास अधिकारी राजेश गुप्ता, सहायक आयुक्त जन जाति कार्य विभाग संजय खेडकर, उपायुक्त सहकारिता पी.के मिश्रा, अधीक्षण यंत्री विद्युत आरपी मिश्रा, कृषि विभाग के अधिकारी मनोज सिंह, लोक सेवा प्रबंधक रमेश पटेल, उप संचालक पिछड़ा वर्ग योगेन्द्र राज, उद्यानिकी अधिकारी एच.एल निमोरिया सहित जिलाधिकारी उपस्थित रहे।

नवानगर क्षेत्र में कोयला चोरी कराने सीकेडी माफिया ने बदला प्लान

सिंगरौली। थाने में भले ही प्रभारी बदले हो लेकिन सीकेडी माफिया वही है जो पहले काम करते थे। सिर्फ बदलता है तो कोयला कबाड़ और डीजल चोरी का सिस्टम ताकि लोगों की नजरों से बच सकें। नवानगर थाना क्षेत्र में कोयला कपबोर्ड और डीजल चोरी करने वाले माफिया ने अपना प्लान बदल दिया है। हालांकि इस प्लान के बारे में पुलिस को खबर है या फिर नहीं होने का दिखावा कर रही है यह पुलिस ही बता सकती है।

बता दें की पुलिस मोटी चमड़ी का वह प्राणी है जो बदन में लगें दागों को तमगे की तरह पहनता है, और मजाल क्या कि उसके खिलाफ कोई एक शब्द बोल दे, यदि बोलने का कोई साहस झूटा भी ले तो फिर पुलिस का वह सबसे बड़ा दुश्मन बन जाता है और फिर भारतीय न्याय संहिता की धारा कब उस पर लग जाए कहां नहीं जा सकता। हालांकि अवैध कारोबारी और पुलिस के बीच मधुर संबंध होते हैं। सूत्रों का दावा है कि डीजल चोरी कराने वाला सीकेडी माफिया कोई नया नहीं बल्कि वही पुराना है और उसके गुर्गों की गैंग भी लगभग वहीं पुरानी ही है। लेकिन बीते कल खनिज विभाग के द्वारा हुई कार्यवाहियों से ये सबक लेकर अब कोयला चोरी के कारनामों को ऐसी जगहों पर अंजाम दे रहे हैं, जहां तक लोगों की नजरें आसानी से न पहुंच सकेंगी। इसलिए उसने अपना ठिकाना और प्लान भी बदल दिए हैं। ये ठिकाना ऐसा है जहां हाइवा आसानी से पहुंच सकें।

कोयला माफिया का नया ठिकाना

सूत्रों के अनुसार, कोयला माफिया ने इस बार डंपरों से कोयला चोरी करने के लिए जो नया प्लान बनाया है वह अमलोरी के महुआ मोड़ के पहले सुनसान एरिया में है। इस एरिया में एक रास्ता बनाया है जो अभी अधूरा है। बताया जा रहा है कि रात की अंधेरे में कोयल का खेल शुरू है। अब कोयले का भंडारण करने की बजाय सीधे हाईवे से हाईवे में लोड किया जाएगा ताकि खनिज विभाग के पकड़ने का चकल्लस ना रहें। हालांकि कोयले के भंडारण की शिकायत पुलिस को मिलती भी है तो पुलिस यह कहकर पल्ला झाड़ लेती है कि इसकी शिकायत खनिज विभाग से करिए। यदि गाड़ी में अवैध कोयला लोड हो इस पर पुलिस कार्यवाही करेगी।

कलेक्टर के निर्देशन में डायरिया से बचाव के लिए चलाया जा रहा है जागरूकता अभियान

मैदानी अमला डायरिया से पिड़ित लोगों की तलाश में घर घर देगा दस्तक

सिंगरौली। कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला के निर्देशन में बरसात के मौसम में होने वाली संक्रामक बीमारियां जैसे डायरिया के रोकथम हेतु बृहद स्तर पर जहा स्वस्थ्य सिविर का आयोजन कराया जा रहा है। वहीं प्रभावित लोगो के पहचान हेतु मैदानी अमले को घर घर सर्वे कर तत्काल पिड़ित को उपचार एवं परामर्श दिये जाने के निर्देश दिये गये है। कलेक्टर ने प्रदूषित जल से फैल रही बिमारियों को मद्देनजर रखते हुए सभी उपखण्ड अधिकारियो सहित जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों , सामुदायिक स्वस्थ्य केंद्र के मैदानी अमले के साथ साथ सचिव रोज़गार सहायकों पटवारियों को निर्देश दिए है की समन्वय बनाकर अपने अपने क्षेत्रों में प्रदूषित जल श्रोतों को चिन्हित करे और निरीक्षण कर जानकारी का पलन प्रतिवेदन प्रस्तुत करे। नलकूपो में ब्लिचिंग पाउडकर डालने के साथ ही क्लोरोकीन टैबलेट का भी वितरण करें । कलेक्टर कहा कि बैक्टीरिया एवं डस्ट पार्टिकल्स की वजह से डायरिया का संक्रमण फैलता अत: ऐसे स्थिति में खुले पानी जैसे कुएं, नदी, एवं अन्य पारंपरिक पानी का बिना उबाले सेवन नही करे। दूषित एवं बासी खाने का सेवन बिलकुल न करें। उन्होंने निर्देश दिये कि मैदानी अमला आमजन मानस को जन जागरूक करें साथ ही पीएचई विभाग के कर्मचारियों एवं इस कार्य में लगे हुए अन्य विभाग के कर्मचारियों को निर्देश दिये है कि हैंडपंप , कूपो में ब्लीचिंग पाउडर डलवाये साथ ही पेयजल को शुद्ध करने हेतु टैबलेट का भी वितरण किया जाए।कलेक्टर ने मुख्य स्वस्थ चिकित्सा अधिकारी को भी निर्देश दिए है कि स्वास्थ्य शिविर का आयोजन बीमारी से पीड़ित व्यक्तियों को तत्काल स्वस्थ लाभ प्रदान करवाए।

मलेरिया बीमारी के रोकथाम हेतु वितरित की गई मच्छरदानी

सिंगरौली। जिले में मलेरिया बिमारी के रोकथाम के लिए जिले में वितरित की गई मच्छरदानियों के संबंध में संबंधित विभाग के अधिकारी से जानकारी चाही गई है। मलेरिया विभाग के अधिकारी के द्वारा फरवरी एवं मार्च में वितरित की गई मच्छरदानियों की जानकारी देते हुये कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला को अवगत कराया गया कि विकास खण्ड बैढ़न में 51 हजार 700 मच्छरदानियों का वितरण किया गया है। वही देवसर विकास खण्ड में 85 हजार 900 मच्छरदानी का वितरण किया गया है। जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि विकास खण्ड चितरंगी में 60 हजार 250 मच्छरदानी का वितरण गावो में कराया गया है।

व्यावसायिक प्लाजा पहुंच एसपी ने लिया जायजा, व्यापारियों से हुई चर्चा

व्यापारियों ने सामान सिफ्ट करने के लिए मांगी मोहलत, एसपी ने कहा कि आयुक्त से चर्चा के बाद होगा निर्णय

सिंगरौली। जिला मुख्यालय बैढ़न के अम्बेडकर चौक में चार करोड रूपये से बने व्यावसायिक प्लाजा को 14 साल में ही गिराने की नौबत आ गई है। करोड़ों रूपये की जर्जर भवन की स्थिति बेहद नाजुक है। इसे खाली कराने के लिए नगर निगम आयुक्त ने आज सोमवार को दुकानों को खाली कराने के लिए मुनादी भी करा दिया था।

कल रविवार को व्यावसायिक प्लाजा के दुकानदार लामबंद होकर इसका विरोध किया और कहा था कि इतना कम समय में दुकानों से सामान हटाना मुश्किल है। इसके लिए वक्त चाहिए। इसी मामले को लेकर

व्यापारी आज एसपी से भी समय देने की मांग किया था। एसपी निवेदिता गुप्ता ने सोमवार की देर शाम व्यावसायिक प्लाजा अम्बेडकर चौक बैढ़न पहुंच कार्यपालन यंत्री व्हीपी उपाध्याय व उपायुक्त आरपी बैस के साथ व्यावसायिक प्लाजा का अवलोकन कर व्यापारियों से मुखातिब होकर कहा कि इसके बारे में आयुक्त से चर्चा किये जाने के बाद ही मोहलत दिया जाएगा।

ननि अधिकारियों एवं ठेकेदार पर दर्ज हो अपराध

वार्ड क्रमांक 41 गनियारी के पार्षद प्रतिनिधि अर्जुन गुप्ता ने कहा कि वर्ष 2010 में यह व्यावसायिक प्लाजा करोड़ों रूपये से बनकर तैयार हुआ था। गुणवत्ता विहीन कार्य होने के कारण 10-12 साल के अन्दर ही भवन जर्जर हालत में पहुंच जमीदोज कराने की नौबत आ गई है। ऐसे में उस दौरान ननि के आयुक्त से लेकर सिविल विभाग के जिम्मेदार अधिकारी सहायक यंत्री, कार्यपालन यंत्री एवं उप यंत्री के साथ-साथ संविदाकार पर भी एफआईआर दर्ज होना चाहिए। करोड़ों रूपये की लागत से बने दुकानों को यदि 10 साल के अन्दर ही गिराने की नौबत आ गई है तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है। इसमें दोषियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई हो जाकर उनसे राशि वसूली की जाए तथा संबंधित जनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होना चाहिए।

पंडित जनेश्वर मिश्र जैसे समाजवादी विचारक हम सबके लिए हमेशा प्रेरणादायी रहेंगे: जय

सिंगरौली। छोटे लोहिया के नाम से विख्यात, समाजवादी चिंतक, संसदविद्, प्रखर वक्ता जनेश्वर मिश्र की 92वीं जयंती चितरंगी विधानसभा के मिश्रीरगमा में मनाई गई इस अवसर पर मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड पूर्व प्रदेश महासचिव जयसिंह राजू ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा किजनेश्वर जी सात बार केंद्रीय मंत्री रहे लेकिन उनके पास जायजाद के तौर पर न मकान, न

गाड़ी, न जमीन थी, इसलिए उन्हें राजनारायण द्वारा छोटे लोहिया की उपाधि दी गई। जनेश्वर मिश्र का जन्म 5 अगस्त 1933 को बलिया के शुभनथहीं गांव में हुआ था। उनके पिता रंजीत मिश्र किसान थे। बलिया में प्राथमिक शिक्षा पूरी करने के बाद 1953 में इलाहाबाद पहुंचे जो उनका कार्यक्षेत्र रहा। जनेश्वर जब संसद में बोलते थे तब उन्हें सभी दलों (पक्ष विपक्ष दोनों) द्वारा गंभीरता से सुना जाता था। उन्होंने मोरारजी देसाई, चौधरी चरण सिंह, विश्वनाथ प्रताप सिंह, चंद्रशेखर, एचडी देवगौड़ा और इंद्रकुमार गुजराल के मंत्रिमंडल में भी बतौर राज्य मंत्री और कैबिनेट मंत्री के रूप में काम किया। वहीं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रहे श्रवण सिंह ने भी उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए सदा जनेश्वर मिश्रा के बताए रास्तों पर चलने की कसम खाई और सभी समाजवादियों से यह संकल्प दिलाया कि हम समाजवाद स्थापित करने के लिए निरंतर संघर्ष करते रहेंगे इस अवसर पर राम नारायण कोल अरुण केवट रामपति बैगा राज नारायण कोल रामदास मुन्नी बाई संतोषी संतोष विश्वकर्मा चंद्र प्रताप सिंह आशु पंडित राजेश यादव लालू जायसवाल सहित समाजवादी पार्टी के कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिले में संचालित औद्योगिक ईकाइयो का भौतिक सत्यापन कर जॉच प्रतिवेदन प्रस्तुत करे: कलेक्टर

सिंगरौली। मध्यप्रदेश शासन पर्यावरण विभाग एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भोपाल के निर्देशानुसार प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण अधिनियम 1974 एवं वायु प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम 1981 एवं पर्यावरण संरक्षण 1986 के अंतर्गत अनुमति प्राप्त किये अवैध रूप से संचालित फैक्टिरियों के विरूद्ध कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गये है। जिसके तहत कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला के द्वारा जिले में संचालित समस्त औद्योगिक ईकाइयों विस्फोटक भण्डारों बिक्रय करने वाली ईकाइयों समस्त पेट्रोल पम्पो एवं अन्य व्यावसायिक गतिविधियों की जॉच भौतिक सत्यापन किये जाने हेतु कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला के द्वारा समिति का गठन किया गया है। समिति में उपखण्ड मजिस्ट्रेट समस्त जिला सिंगरौली अपने कार्यक्षेत्र के अंतर्गत नगर पुलिस अधीक्षक सिंगरौली सम्पूर्ण नगर पालिक सिंगरौली क्षेत्रांतर्गत, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अपने कार्यक्षेत्र अंतर्गत क्षेत्रिय अधिकारी मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड जिला सिंगरौली सम्पूर्ण जिला सिंगरौली को समिति अंतर्गत जॉच हेतु नियुक्त किया गया है।

संजीवनी चिकित्सालय शक्तिनगर ने उठाई डेंगू और मलेरिया बुखार के खिलाफ सशक्त पहल

सिंगरौली। एनटीपीसी सिंगरौली के आवासीय परिसर में स्थित संजीवनी चिकित्सालय में बीते 3 अगस्त 2024 को डेंगू व मलेरिया बुखार की रोकथाम एवं नियंत्रण मुहिम का सेमिनार आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ प्रेम नाथ, एसोसिएट चीफ मेडिकल ऑफिसर्स (एसीएमओ) संकाय, सोनभद्र एवं धर्मेंद्र नारायण श्रीवास्तव, मलेरिया नियंत्रण अधिकारी ने डेंगू और मलेरिया जैसे महामारीयों से बचने के उपाय और ऐसी जानलेवा बीमारियों का संक्रमण करने वाले मच्छरों के विनाश, बचाव व सुरक्षा के मार्ग साझा किए। इस सेमिनार में उपस्थित संजीवनी चिकित्सालय

के वरिष्ठ डॉक्टर्स, स्टाफ नर्स, संविदा कर्मी, कर्मचारियों, स्थानीय विद्यालयों व कॉलेज के प्राचार्यगण को डॉ प्रेम नाथ, एसीएमओ, सोनभद्र ने महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए कहा की हम सभी घरेलू स्थानों में गंदगी ना करें तथा अन्य लोगों को भी स्वच्छता के लिए जागरूक करें, जिससे डेंगू व मलेरिया मच्छर और उनके जीवनकाल को छोटा किया जा सके। पानी के भंडारण स्थलों को साफ और सुरक्षित रखें ताकि मच्छरों का बढ़ावा न हो। मच्छरों से बचने के लिए अपने आसपास के क्षेत्रों में एंटी-मच्छर दवाओं का प्रयोग करें। बुखार, उल्टी, थकान या पेट दर्द हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। कार्यक्रम की अंतिम कड़ी में डॉ ब्रिजलाल, सीनियर मेडिकल ऑफिसर, संजीवनी चिकित्सालय ने सोनभद्र से पधारे हुए डेंगु व मलेरिया नियंत्रण अधिकारियों का धन्यवाद ज्ञापन किया तथा सेमिनार में उपस्थित सभी जनों को संबोधित करते हुए कहा की इस लड़ाई में हम सबको साथ मिलकर काम करना होगा। ये बीमारियां गंभीर हो सकती हैं और उनकी रोकथाम में प्रत्येक जन समुदाय का सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है।

रिलायंस कोल माइंस के सीईओ सहित 3 अन्य जिम्मेदारों पर मामला दर्ज

ग्रामीणों के घरों व खेतों में घुसे ओबी से नुकसान को लेकर हुई कार्यवाही

सिंगरौली। जिले में लगभग तीन दिन लगातार हुई बारिश से रिलायंस कोल माइंस मुहेर खदान की ओबी अमलोरी बहकर बहुत तबाही बचायी। जिससे ग्रामीणों के घर व फसल को तबाह कर दिया। परेशानहाल लोगों ने नवानगर थाने पहुंच कंपनी प्रबंधन के खिलाफ एफआरआई दर्ज करायी है। जिस पर नवानगर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता 2023, 125 व 292 के तहत मामला पंजीबद्ध किया है। बताया गया कि रिलायंस कोल माइंस मुहेर खदान का ओवर बर्डन (मिट्टी, डस्ट, और मलवा) अमलोरी के आसपास डंप कर रखा था। जो बारिश के पानी के साथ बहकर लोगों के घरों और खेतों में पहुंच गया है।

बता दें कि यह कोई पहली बार नहीं हुआ है जब बारिश में रिलायंस कंपनी का मलवा आसपास के रिहायसी इलाकों और खेतों में पहुंचा है इसके पहले भी बारिश के समय कमोबेश यही हालात होते हैं। बावजूद इसके रिलायंस कंपनी डंप ओवर बर्डन कर रखरखाव करने में कंजूसी करता आया या फिर लापरवाह बना हुआ हैं। डंप ओवर बर्डन के किनारे रिटर्निंग बाल बनाई गई होती तो ऐसे हालत ही नहीं बनते। ओवर बर्डन पानी की तेज बहाव से खेतों में तीन से चार फीट तक मोटी परत जम चुकी है। लोगों का कहना है कि खेतों में मलबा आने से धान, तिल , मक्का और सब्जियों की खेती पूरी तरह से चौपट हो गई है।

जाने क्या था मामला

मिली जानकारी के अनुसार फरियादी लक्ष्मण कुमार शाह

पिता तिलकधारी शाह उम 37 वर्ष निवासी अमलोरी बस्ती मोहरिया टोला थाना नवानगर जिला सिगरौली मं.प्र. का रहने वाला हू। रिलायस कोल माईन्स प्रबंधन के द्वारा कोयले की खदान से निकाली गयी मिट्टी को अव्यवस्थित ढंग से पहाडनुमा जैसे इकठ्ठा किया गया है। लगातार 2 दिन से बारिश हो रही थी। दिनांक 03/08/2024 को शाम करीवन 05.00 बजे बरसात में पानी बरसने पर मिट्टी का मलवा सहित पानी हमारे घरों एवं खेतो मे घुस गया। जिससे खेत मे लगी धान, मूगफली की फसल एवं भिण्डी की फसल नष्ट हो गई है, उक्त फसल मेरी 30 डिसमिल भूमि, रामजी बसोर की 2.5 एकड भूमि, शेषमणि पनिका की 1.85 एकड भूमि, रामलल्लू नाई की 20 डिसमिल भूमि कुल लगभग 4 एकड भूमि की फसल एवं सब्जी मे ओवी की कोयला, मिट्टी पट जाने से फसल, सब्जी सहित घर मे जानवरो के लिये रखा गया खाद्य पदार्थ भूसा नष्ट हो गया है।

लोगों का रहना हुआ दुभर

उक्त फसल अब मानव जीवन के लिये उपयोगी नही रही,ओबी की मिटटी खेतो एवं घरो में फैल जाने से क्षेत्र मे बदबू फैलने से वहां पर रहना मुश्किल हो रहा है। रिलायंस प्रबंधन के ओवी डप कराने वाले सक्षम अधिकारी एवं सुरक्षा अधिकारी सीओ सचिन महापात्रा, माईन्स मैनेजर विजय कुमार एव माईन्स एजेन्ट ऋषि श्रीवास्तव के द्वारा रिटर्निंग बाल ओबी के डंप मे नही बनायी गयी थी। ना ही पानी निकासी के लिये समुचित उपाय किये गये थे। जिससे घर का सामान एवं फसल को नुकसान हुआ है। उनके इस लापरवाही एवं उपेक्षापूर्ण ढंग से किये गये कार्य से उस क्षेत्र में जन साधारण जो आस पास रह रहे है, को क्षति एवं संकट कारित करने से ग्राम वासियों का जीवन सकटापन्न हुआ है। पूर्व में भी रिलास प्रबंधन को कई बार अवगत कराया गया था, अवगत कराये जाने के उपरान्त भी समुचित प्रबंधन नही होने से घटना घटित हुई है।

शिकायतों को संतुष्टि के साथ निराकृत करायें : कलेक्टर

सीधी। सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की समीक्षा करते हुए कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने शिकायतों को प्राथमिकता पर संतुष्टि के साथ निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की नियमित समीक्षा करें। शिकायतकर्ता से संपर्क कर शिकायत की वास्तविक स्थिति के आधार पर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करायें। कोई भी शिकायत अन-अटेंडेड नहीं रहनी चाहिए तथा निम्न गुणवत्ता से बंद शिकायतों की संख्या न्यून होनी चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि विभाग प्रमुख शिकायतों की स्वयं निगरानी रखें तथा शिकायतों की संख्या के आधार पर आवश्यक प्रक्रियात्मक सुधार करें जिससे शिकायतों की संख्या में कमी आए। लोक सेवा गारंटी अधिनियम अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने आवेदनों को समय-सीमा में निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही समय सीमा बाह्य प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों पर जुर्माना अधिरोपित करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने समय-सीमा पत्रों पर निर्धारित समयावधि में समस्त कार्यवाहियां पूर्ण कर विलोपित कराने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने राजस्व महाअभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि सभी उपखण्ड अधिकारी अभियान की नियमित समीक्षा करेंगे तथा अभियान के दौरान अधिकतम प्रकरणों का निराकरण करना सुनिश्चित करेंगे। पीएम जनमन अभियान की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने बैगा जनजाति के हितग्राहियों को पात्रतानुसार सभी योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश दिए हैं। उनके जाति प्रमाण-पत्र, आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड बनाने तथा बैंक खाते प्राथमिकता पर खोलने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने सहायक आयुक्त को संबंधित विभागों से समन्वय कर लक्ष्य की प्राप्ति के निर्देश दिए हैं।

बैठक में कलेक्टर ने हाथ से मैला उठाने वाले कर्मियों के नियोजन का प्रतिषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम 2013 के क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों तथा सीईओ जनपद को सर्वे कार्य पूर्ण कर अधिनियम के प्रावधानों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। रीवा-सीधी रेलवे लाइन के प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने रेलवे तथा राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया है कि संयुक्त रूप से पूरी परियोजना का भौतिक निरीक्षण कर आ रही कठिनाइयों को चिन्हांकित करें तथा उनका निराकरण सुनिश्चित करायें। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राहुल धोटे, अपर कलेक्टर राजेश शाही, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, सिहावल एसपी मिश्रा, मझौली आरपी त्रिपाठी सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जल निगम की मझौली समूह जल प्रदाय योजना की सेवा कुछ ही दिनों में पुनः शुरू कर दी जायेगी

सीधी। महाप्रबंधक जल निगम ने जानकारी देकर बताया कि 25 ग्रामों की मझौली समूह जल प्रदाय योजना अंतर्गत इंटेकवेल बनास नदी में ग्राम परसिली, मझौली में निर्मित किया गया है। ज्ञात है कि बनास नदी पेंड्रा छत्तीसगढ से निकली है जिसका कैंचमेंट क्षेत्र जिला पेंड्रा, अनुपपुर, मनेन्द्रगढ, शहडोल, सीधी इत्यादि है। दिनांक 04.08.2024 को सुबह 03 बजे के करीब बनास नदी में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हुई एवं बनास नदी का जल स्तर एचएफएल से 3 मीटर ऊपर बढ़ गया। जिससे कि इंटेकवेल, पंप हाउस, एप्रोज ब्रिज एवं किराने पर स्थित विद्युत सबस्टेशन में पानी भर गया एवं ब्रिज के ऊपर से जल प्रवाह होने लगा। कुछ घंटों के बाद जल स्तर में कमी आई एवं जल स्तर इंटेकवेल के पंप हाउस एवं ब्रिज के नीचे चला गया। दिनांक 04.08.2024 दिन में करीब दो बजे ब्रिज एवं इंटेकवेल का निरीक्षण किया गया निरीक्षण में पाया गया कि छोटे मोटे जैसे की रेलिंग डेमेज, पाइप डेमेज इत्यादि को छोड़ कर किसी भी स्ट्रक्चर में किसी तरह का कोई नुकसान नही हुआ है जो कि खुशी की बात है। रिपेयर का काम शुरू कर दिया गया है विद्युत उपकरणों एवं पंप इत्यादि की जांच शुरू कर दी गई है, विद्युत उपकरणों की साफ-सफाई एवं जांच कर कुछ ही दिनों में जल प्रदाय पुनः शुरू किया जायेगा। प्रबंध संचालक म.प्र. जल निगम भोपाल आईएएस श्री के.वी.एस. चौधरी एवं परियोजना निदेशक संजय कुमार अंधवान द्वारा इस पूरे घटना की मॉनटिरिंग की गई एवं जल प्रदाय को पुनः शुरू करने के लिए इनके मार्गदर्शन में कार्य किया जा रहा है। जल्द से जल्द जल प्रदाय शुरू किया जायेगा।

सम्पदा 2.0 के परिचयात्मक विवरण एवं प्रशिक्षण का आयोजन

सीधी

पंजीयन विभाग की महत्वपूर्ण परियोजना संपदा 2.0 को इस माह लागू किया जाना प्रस्तावित है। जिला पंजीयक अभिषेक सिंह बघेल द्वारा दिनांक 05.08.2024 को जिलाधिकारियों को परिचयात्मक रूप से संपदा 2.0 के विषय में बताया गया। संपदा 2.0 में दस्तावेज के पंजीयन में सुगमता, नागरिक सहजता आदि को बढ़ावा दिया गया है।

जिला पंजीयक ने बताया कि महानिरीक्षक एवं पंजीयन मुद्रांक मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार जल्द से जल्द सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में पंजीयन विभाग संपदा साफ्टवेयर के नवीन संस्करण सम्पदा 2.0 लागू होना है। जिस संबंध में जिले के समस्त सर्विस प्रोवाईडरों को जिले के ई-दक्ष केन्द्र सीधी में दिनांक 05.08.2024 से 14.08.2024 तक संपदा 2.0 के संबंध में ट्रेनिंग रखी गयी है तथा दिनांक 04.08.2024 को गूगल मीट एवं यूट्यूब के माध्यम से राज्य स्तर से प्रशिक्षण दिया गया है।

प्रशिक्षण हेतु ई-दक्ष केन्द्र द्वारा निर्धारित शुल्क देकर सेवा प्रदाता प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं तथा सम्पदा 2.0 की हैंड्स ऑन ट्रेनिंग भी उक्त दिनांक पर सुबह 10 बजे से ले सकते हैं।

हर्षोल्लास के साथ स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन के कलेक्टर ने दिए निर्देश

स्वतंत्रता दिवस समारोह के गरिमामय आयोजन के लिए तैयारी बैठक आयोजित

सीधी। जिले भर में आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह पूर्वक मनाया जायेगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम पुलिस परेड ग्राउंड सीधी में आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने कहा कि गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन भव्यता के साथ हर्षोल्लास एवं गरिमामय ढंग से किया जाये।

कलेक्टर ने कहा कि शासन के निर्देशों के अनुसार जिला, विकासखण्ड तथा ग्राम पंचायत स्तर पर समारोह आयोजित किये जायेंगे। जिला स्तरीय समारोह पुलिस परेड ग्राउंड सीधी में प्रातः 9 बजे मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण से आरंभ होगा। समारोह में जिला पुलिस बल, एसएएफ, होम गार्ड, वन विभाग तथा एनसीसी के कैडेट द्वारा राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी जायेगी। समारोह में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री जी के स्वतंत्रता दिवस संदेश का वाचन करेंगे। इसी तरह नगरीय निकायों, जनपद पंचायतों तथा ग्राम पंचायतों में भी ध्वजारोहण किया जायेगा। सभी शासकीय तथा अर्धशासकीय कार्यालयों एवं शिक्षण संस्थाओं में भी प्रातः 8 बजे तक ध्वजारोहण किया जायेगा। सभी शासकीय भवनों में 14 एवं 15 अगस्त की रात में रोशनी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों को जिला स्तरीय कार्यक्रम के लिये साफ-सफाई, पानी की व्यवस्था, मैदान के समतलीकरण, बैरिकेटिंग, बैठक व्यवस्था, बिजली की निर्बाध आपूर्ति आदि के लिए जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। समारोह में शामिल दलों का परेड अभ्यास की व्यवस्थाएं रक्षित निरीक्षक सुनिश्चित करेंगें। समारोह का अंतिम रूप से रिहर्सल 13 अगस्त को प्रातः 9 बजे पुलिस परेड ग्राउंड में होगा। बैठक में कलेक्टर ने माइक एवं साउंड व्यवस्था, मैदान की साज-सज्जा तथा बैठक व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि समारोह का गरिमामय आयोजन हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है, अतः दिए गए दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी एवं सजगता के साथ करें।

शासन के निर्देशों के अनुसार स्वतंत्रता दिवस समारोह में शहीदों के परिजनों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा लोकतंत्र के प्रहरियों को सम्मानित किया जायेगा। इसके साथ ही कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सूची पुरस्कार हेतु सामान्य शाखा प्रभारी कलेक्ट्रेट कार्यालय को 12 अगस्त 2024 तक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राहुल धोटे, अपर कलेक्टर राजेश शाही, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, सिहावल एसपी मिश्रा, मझौली आर पी त्रिपाठी सहित सभी संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

स्काउटिंग के माध्यम से बनती है वैश्विक पहचान: सुरेंद्र मणि

भारत स्काउट गाइड का सप्त दिवसीय शिविर संचालित

सीधी

भारत स्काउट एवं गाइड का सप्त दिवसीय बेसिक स्काउट मास्टर एवं गाइड कैप्टन का शिविर स्थानीय रमा बल्देव पैलेस में संचालित है। शिविर के चतुर्थ दिवस के दिन एकलव्य विद्यालय के संचालक ज्ञानेंद्र सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य एवं भारत स्काउट गाइड के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र मणि दुबे की अध्यक्षता में आयोजित हुआ।

चतुर्थ दिवस के उद्घाटन अवसर पर एकलव्य विद्यालय के संचालक ज्ञानेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि एक आदर्श प्रशिक्षु बनकर स्काउटिंग की बारीकियां को सीखें। जिससे अपने-अपने विद्यालयों में जाकर एक आदर्श दल गठित कर, स्काउटिंग को प्रभावशाली ढंग से संचालित कर सकें। सभी चिन्हित कर राष्ट्रपति और राज्यपाल पुरस्कार के लिए छात्रों के अंदर जिज्ञासा पैदा करते हुए उन्हें इस जिम्मेवारी के लिए तैयार करें। स्काउटिंग छात्र एवं छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण कड़ी है।

भारत स्काउट एवं गाइड के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र मणि दुबे ने शिविरार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस स्काउटिंग के माध्यम से हमारी वैश्विक पहचान बनती है। स्काउटिंग मानवीय गुणो का विकास कर, सामाजिक एवं राष्ट्रीय दायित्व के निर्वहन के लिए तैयार करती है। हम सभी को स्काउटिंग के लिए प्रतिबद्ध होकर स्वयं प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए आगे चलकर छात्र एवं छात्राओं को प्रशिक्षित करें हर विद्यालय में स्काउटिंग अनिवार्य पहलू है।

शिविर संचालक डॉ एस एन पांडे ने बताया कि शिविर पाठ्यक्रम के अनुसार प्रशिक्षणार्थियो के सर्वांगीण विकास के लिए प्रातः काल 5 बजे से लेकर रात्रि 10 बजे तक पाठ्य एवं पाठ्येत्तर गतिविधियां संचालित हो रही हैं। कार्यक्रम का संचालन जिला प्रशिक्षण आयुक्त राकेश रतन पांडे ने किया एवं आभार प्रदर्शन जिला सचिव हरिशंकर पांडे ने किया। देशभक्ति एवं स्काउटिंग गीत संयुक्त सचिव श्रीमती शशि गौतम ने गाया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से शिविर सह संचालक डॉक्टर शास्त्री प्रसाद मिश्रा, मास्टर ट्रेनर राजेंद्र प्रसाद मिश्रा, के पी सिंह सहित सैकड़ो प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

हरियाली अमावस्या पर प्रकृति वंदन एवं पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

सीधी। पौधारोपण महाअभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के द्वारा एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम के तहत दिनांक 4 अगस्त 2024 को हरियाली अमावस्या के पावन पर्व पर सीधी नगर के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल गोपाल दास मंदिर में 51 पौधों का रोपण करते हुए प्रकृति के संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में नगर विकास प्रस्फुटन समिति तथा आयुष्मान कला एवं संस्कृति विकास संस्थान के द्वारा विभिन्न प्रकार के आयोजन करते हुए जन समुदाय को प्रकृति के साथ जुड़कर जीवन को सुखी बनाने का संदेश दिया गया। पर्यावरण गतिविधि महाकौशल समिति से संगीता एवं आयुष्मान कला एवं संस्कृति समिति से अजीता द्विवेदी का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में सैकड़ो की संख्या में उपस्थित मातृ शक्तियों द्वारा पौधारोपण एवं संरक्षण का संकल्प लिया गया। रोपित पौधे में आम, सीताफल, नारियल, जामुन, शहतूत, अमरूद एवं कटहल के पौधे लगाए गए। उपरोक्त कार्यक्रम में रश्मि दिव्यांग सेवा समिति से विनय तिवारी एवं प्रस्फुटन समिति से कौशलेंद्र पाठक तथा विकासखंड समन्वयक अनिल पाठक का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

स्वास्थ्य केंद्रों में आने वाले मरीजों का कराएं बेहतर उपचारः सीएमएचओ

शहडोल। कमिश्नर शहडोल संभाग श्री बी.एस जामोद एवं कलेक्टर श्री तरूण भटनागर के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा के द्वारा जिले के स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ करने के लिए 04 अगस्त 2024 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बुढार, प्राथ. स्वा केन्द्र बरतरा, कंचनपुर एंव पचगाँव (विकासखण्ड सिंहपुर) का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पायी गयी कमियों को तत्काल सुधार किये जाने हेतु निर्देश दिये गये। उन्होने कहा कि मौसमी बीमारी के संबंध में सभी सजग एवं सतर्क रहे तथा दवाईयों का पर्याप्त भण्डारण भी रखा जायें। क्षेत्र की निगरानी के साथ-साथ समय पर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान किया जाये। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य संस्था में साफ-सफाई एवं स्वच्छता रखने के साथ साथ अस्पताल आने वाले मरीजों के साथ सहानुभूतिपूर्वक व्यवहार करते हुए उन्हें सामुचित उपचार मुहैया कराया जाये। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने सी.एम. हेल्पलाईन लंबित प्रकरणों का तत्परता के साथ समाधान कर निराकरण करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारी को दिये।

गांधीग्राम के बगैहा टोला में जनसमस्या से रूबरू हुए संजय

सीधी। भाजपा सीधी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के पूर्व जिला महामंत्री और सामाजसेवी संजय सोनी ने सीधी विधानसभा के गांधीग्राम बगैहा पड़खुरी में भ्रमण के दौरान बगैहा स्थानीय निवासी मनोज रावत ने बताया कि बगैहा टोला में बने सरकारी तालाब का सही ढंग से निर्माण न होने के कारण बगईहा निवासी मनोज कोल की लगभग 4 एकड़ में लगी धान 15 दिनों से पानी से डूब जाने के कारण भारी भरकम नुकसान हुआ है और मनोज जी एक मजदूर आदमी है खेती ही इनका एक मात्र आय का श्रोत है प्रशासन और सरकार से तत्काल समस्या निराकरण और क्षतिपूर्ति की मदद चाहते हैं इस संबंध में श्री सोनी ने समस्या

सुनकर करके सरपंच, क्षेत्रीय पटवारी और जनपद सीईओ को समस्या के निराकरण के बारे में अवगत कराया साथ ही माननीय विधायक श्रीमती रीती पाठक से मिलकर समस्या बताने को निर्देशित किया। साथ ही स्थानीय निवासी विधवा महिला श्रीमती जोखनि कोल जी ने बताया की मेरा घर बीच जंगल में है और कुछ स्थानीय निवासी रास्ता रोककर रखे हैं। उक्त समस्या को भी श्री सोनी ने सुनकर स्थानीय लोगों को बुलाकर समझाइस देकर मामले का निवारण किया साथ ही रोड बनवाने के लिए उपस्थित जनता के सामने सरपंच को फोन करके सूचित किए साथ ही आश्वासन दिए है की आप लोग एकत्र होकर जनपद सीधी और जिला कलेक्टर महोदय को भी आवेदन दीजिए और इस कार्य में मैं यथा उचित संभव मदद करूंगा।

इस मौके पर लाला विश्वकर्मा, राजकुमार रावत रघुवीर कोल, रामशिरोमणि द्विवेदी, हिंगुवा देवी कोल, संतोष रावत, श्रीमती रिंकू कोल, श्रीमती रिंकी रावत, किशन राज कोल, राजबहोर कोल, अंकित रावत, संजय रावत, श्रीमती जोखनी कोल, संतोष रावत, जगुनाथ रावत, छोटेलाल रावत, अरुण रावत, रामकुमार जायसवाल सहित अन्य गग्रामीणवासी उपस्थित रहे।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यॉंत्रिकीय विभाग खण्ड सीधी(म0प्र0)

सम्राट चौराहा के पास, ई-मेल eephedsid@nic.in फोन नम्बर 07822-292508

निविदा सूचना कमांक 01/नि.प्र./व.ले.लि./का0य0/लो0स्वा0यां0वि0/24-25 सीधी दिनांक 02.08.2024

निम्न कार्यो हेतु निविदा का आनलाईन बेबसाइड http//mptenders.gov.in पर आमंत्रित की गई है। आनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 17.08.2024 सायं 5:30 बजे तथा निविदा खुलने की तिथि 20.08.2024 को 11:00 बजे है। निविदा में संशोधन की स्थिति उपरोक्त बेबसाईट पर देखी जा सकती है।

Name of work- **Supply of H.P. Spare Parts (Non LUN Item) At P.H.E. Division Sidhi (M.P.)**

Tender ID	Name of work	Distt	PAC(Rs.in Lakh)	E-EMD in Rs	Cost of Tender	NO.Of Calls
2024_PHED_353634_1	Supply of H.P. Spare Parts (Non LUN Item) At P.H.E. Division Sidhi (M.P.)	Sidhi	8.96	17920	2000	First Call
2024_PHED_353635_1	Supply of H.P. Spare Parts (Non LUN Item) At P.H.E. Division Sidhi (M.P.)	Sidhi	3.86	7720	2000	First Call

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग
खण्ड सीधी (म.प्र.)

जी-14580/24

संपादकीय

फर्जी सर्टिफिकेट से यूपीएससी की साख पर सवाल

अक्सर ऐसी खबरें आती हैं, जिनमें किसी अभ्यर्थी ने फर्जी प्रमाणपत्रों के आधार पर नौकरी हासिल कर ली। मगर संघ लोक सेवा आयोग यानी यूपीएससी जैसी संस्था आमतौर पर इस तरह के आरोपों से बची रही है। माना जाता रहा है कि यूपीएससी की किसी परीक्षा को पास करने के बाद नियुक्ति के लिए चुने गए अभ्यर्थी के प्रमाणपत्रों की गहन जांच होती है। मगर भारतीय प्रशासनिक सेवा के लिए चुनी गई एक अधिकारी पूजा खेडकर के पद के दुरुपयोग के मामले में और उसके बाद जैसी खबरें आ रही हैं, उससे यही लगता है कि संघ लोक सेवा आयोग जैसे उच्च स्तरीय संस्थान में भी किसी उम्मीदवार के प्रमाणपत्रों की जांच को लेकर लापरवाही या उदासीनता बरती जाती है। गौरतलब है कि पुणे में प्रशिक्षु आइएएस अधिकारी पूजा खेडकर यूपीएससी की परीक्षा में चुने जाने के लिए खुद को शारीरिक रूप से दिव्यांग और अन्य पिछड़ा वर्ग समुदाय का बताने के लिए फर्जी प्रमाणपत्र पेश करने के आरोपों का सामना कर रही हैं। उन पर पुणे में तैनाती के दौरान विशेषाधिकारों का दुरुपयोग करने का भी आरोप है। हैरानी की बात यह है कि पूजा खेडकर का मामला सुर्खियों में आने के बाद अब भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा के कुछ अन्य अधिकारियों के बारे में भी यह दावा किया गया है कि उन्होंने अन्य पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लाभ उठाने के मकसद से फर्जी प्रमाणपत्रों का उपयोग किया है। सवाल है कि जब कोई अभ्यर्थी यूपीएससी की परीक्षाओं में सभी स्तर को पार करके चुन लिया जाता है, तब उसके बाद नियुक्ति के पहले उसके प्रमाणपत्रों की जांच को लेकर कैसी व्यवस्था है कि कोई व्यक्ति हेराफेरी करके अपने लिए प्रमाणपत्र बनवा लेता है, जिसे यूपीएससी भी अपनी जांच में पकड़ नहीं पाता। अब संभव है कि संदिग्ध अधिकारियों के प्रमाणपत्रों की फिर से गहन जांच हो।

राहुल ही नहीं, कोई भी अपनी जाति बताने में शर्मसार क्यों हो?

हिन्दुस्तान की राजनीति में क्या राहुल गांधी होना ही काफी है। वह जो सवाल सबसे पूछते हैं,वही सवाल जब उनसे कोई पूछ लेता है तो इसमें उनकी इनसर्ट कैसे हो जाती हैं। कहीं ऐसा तो नहीं वह अभी भी मध्यकालीन सामंतवादी सोच से बाहर नहीं निकल पाये हैं। यह सच है कि राहुल ऐसे परिवार से आते हैं जिसने आजादी के बाद दशकों तक सामंतवादी सोच के साथ देश पर राज किया है, जिनकी ताकत इतनी हुआ करती थी कि देश में इनकी मर्जी के बिना पत्ता भी नहीं हिलता था। इनके एक इशारे पर प्रदेश की सरकारों की तकदीर बनती बिगड़ती थी। मुख्यमंत्री और सरकारें रातोंरात बदल और गिरा दी जाती थीं।

(अजय कुमार)

जातिवादी राजनीति का ही नतीजा है कि समाज बंटता जा रहा है। जब नेताओं को देश को जाति की राजनीति से बाहर लाने की कोशिश की जानी चाहिए, तब कुछ दलों और विशेष रूप से कांग्रेस के नेता जाति की राजनीति को तूल देकर समाज में विभाजन और वैमनस्य पैदा करने में लगे हुए हैं।

हिन्दुस्तान की राजनीति में क्या राहुल गांधी होना ही काफी है। वह जो सवाल सबसे पूछते हैं,वही सवाल जब उनसे कोई पूछ लेता है तो इसमें उनकी इनसर्ट कैसे हो जाती हैं। कहीं ऐसा तो नहीं वह अभी भी मध्यकालीन सामंतवादी सोच से बाहर नहीं निकल पाये हैं। यह सच है कि राहुल ऐसे परिवार से आते हैं जिसने आजादी के बाद दशकों तक सामंतवादी सोच के साथ देश पर राज किया है, जिनकी ताकत इतनी हुआ करती थी कि देश में इनकी मर्जी के बिना पत्ता भी नहीं हिलता था। इनके एक इशारे पर प्रदेश की सरकारों की तकदीर बनती बिगड़ती थी। मुख्यमंत्री और सरकारें रातोंरात बदल और गिरा दी जाती थीं। इनके द्वारा राजशाही तरीके से देश को आपातकाल में झोंक दिया जाता था,जिनके द्वारा अपने हिसाब से देश की आजादी का इतिहास लिखवाया गया,जिसको चाहा अपमानित किया गया और जिसे चाह सिर आंखों पर बैठा दिया गया। इसी लिये वीर सावरकर जैसे स्वतंत्र सेनानी को यह लोग अपमानित करते हैं।सुभाष चन्द्र बोस को परेशान किया गया।

कांग्रेस आज भी इसी सोच के साथ जी रही है कि जो वह कहें वही पत्थर की लकीर है,उसे कोई काट नहीं सकता है। इससे ज्यादा दुख की बात यह है कि इंडिया गठबंधन के कुछ सहयोगी भी इससे इतिफाक रखते हैं, जिसमें आजकल समाजवादी पार्टी के दूसरी पीढ़ी के नेता पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव का नाम भी भी शीर्ष पर मौजूद है। मुलायम सिंह यादव

जो ताउम्र कांग्रेस के खिलाफ लड़ते रहे,आपातकाल में जेल गये,उन्हीं के बेटे अखिलेश यादव तब उतेजित हो जाते हैं जब बीजेपी के नेता राहुल गांधी से उनकी जाति पूछ लेते हैं। वह सदन में चिल्लाने लगते हैं कि राहुल गांधी की जाति कैसे पूछी,जबकि राहुल-अखिलेश की जोड़ी अपनी राजनीति चमकाने के लिये समय-बेसमय किसी की भी जाति पूछकर उसका उपहास उड़ाने या उसके सहारे अपनी राजनीति चमकाने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं।

बहुत दिन नहीं हुए, जब यह दोनों नेता लोगों और विशेषकर अधिकारियों एवं मीडिया वालों की जाति पूछते थे, लेकिन जब लोकसभा में बीजेपी के एक नेता ने गोलमोल शब्दों में उनकी जाति पूछ ली तो वह उछल पड़े, जबकि राहुल का नाम लिये बिना बीजेपी के मंत्री अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में तंज कसा था कि जिन्हें अपनी जाति का पता नहीं, वे उसके गणना की मांग कर रहे है। यह बात राहुल और उनकी टीम के सदस्यों को इनती बुरी लगी कि इन्होंने हंगाम खड़ा कर दिया। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के नेता संसद के भीतर और बाहर आपे से बाहर हो गए। इनमें कांग्रेस के वे नेता भी है, जो लोगों की जाति जानने की राहुल गांधी की अपरिपक्त राजनीति को उनका मास्टर स्ट्रोक बताया करते थे। सवाल यही है कि कोई अपरिक्त नेता जब हर तफर घूम-घूमकर सबकी जाति जानने की कोशिश करेगा तो फिर उसे अपनी भी जाति बताने के लिए तैयार रहना चाहिए,जैसा भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी की जाति के बारे में पूछा था। राहुल गांधी इस कटाक्ष को अपना अपमान बता रहे है। यह वही राहुल हैं, जो चंद दिन पहले लोकसभा में भाजपा नेताओं को दुर्योधन, शकुनी आदि बताते में लगे हुए थे। इसके पहले वह एक जनसभा में यह कह चुके हैं कि प्रधानमंत्री मोदी तो ओबीसी हैं ही नहीं,जबकि इसके उलट तमाम लोग राहुल गांधी को तो हिन्दू ही नहीं मानते हैं।

यह एक सामान्य बात है कि किसी को भी दूसरों के साथ वैसा व्यवहार नहीं करना चाहिए, जैसा उसे अपने लिए पसंद न हो,लेकिन राहुल गांधी हों या फिर अन्य कुछ नेता इससे इत्तेफाक नहीं रखते हैं। अनुराग ठाकुर के बयान पर संसद में जो हंगामा हुआ, वह केवल राहुल गांधी का अपनी खीझ मिटाने और जनता का इस मुद्दें से ध्यान हटाने के अलावा कुछ नहीं था। यह हास्यास्पद ही है कि अनुराग ठाकुर के बयान का समर्थन करने के कारण कांग्रेस प्रधानमंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस देने पर विचार ले आई।क्योंकि मोदी ने अनुराग के भाषण वाला वीडियो फारवर्ड कर दिया था। बहरहाल, संसद में आज जाति के नाम पर जो घमासान हो रहा है,उसकी नींव कांग्रेस ने बहुत पहले ही रख दी थी। आजादी के बाद कांग्रेस ही तो थी,जिसने अंग्रेजों के डिवाइड एंड रूल वाले फार्मूले को जिंदा रखा था।

जातिवादी राजनीति का ही नतीजा है कि समाज बंटता जा रहा है। जब नेताओं को देश को जाति की राजनीति से बाहर लाने की कोशिश की जानी चाहिए, तब कुछ दलों और विशेष रूप से कांग्रेस के नेता जाति की राजनीति को तूल देकर समाज में विभाजन और वैमनस्य पैदा करने में लगे हुए हैं। वे यह कहकर जाति की गणना की मांग करने में लगे हुए हैं कि इससे ही समस्त समस्याओं का समाधान होगा और सामाजिक न्याय का लक्ष्य हासिल होगा। यदि जाति गणना इतनी ही आवश्यक थी तो दशकों का लक्ष्य हासिल होगा। यदि जाति गणना आवश्यक थी तो दशकों तक केंद्र की सत्ता में रही कांग्रेस ने ऐसा क्यों नहीं किया? प्रश्न यह भी है कि क्या लोगों की जाति जाने बिना उन्हें गरीबी से बाहर निकालने और शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार के प्रश्न हल करना संभव नहीं? हर कोई इससे अच्छी तरह परिचित है कि जाति की राजनीति ने समाज को विभाजित करने के साथ सामाजिक न्याय की राह में मुश्किल पैदा की है, फिर भी कुछ नेता अपना राजनीतिक उल्लू सीधा करने के लिए समाज को जातियों में बांटने में लगे हुए हैं।

जातीय वैमनस्य के रूप में इसके दुष्परिणाम सामने है, लेकिन जातिवादी नेता यह देखने-समझने को तैयार नहीं। हमारे समाज में तो केवल दो ही जातियां होनी चाहिए-अमीर एवं गरीब और उनका ही पता लगाया जाना चाहिए। कांग्रेस हो या फिर समाजवादी पार्टी अथवा राष्ट्रीय जनता दल जैसी पार्टियों के नेता एक तरफ तो वह जातीय जनगणना की बात करते हैं, लेकिन जब मुसलमानों में जातीय मतभेद को लेकर सवाल पूछे जाते हैं तो इनके मुंह पर ताले पड़ जाते हैं। क्योंकि मुसलमानों में जातीय भेदभाव से इनका वोट बैंक बंट जायेगा। राहुल गांधी जैसे अपरिपक्त नेताओं को समझना चाहिए की जातीय भेदभाव करके वह कुछ समय के लिये अपनी राजनीति को आगे बढ़ा सकते हैं, लेकिन हमेशा ऐसा होने वाला नहीं है। आम चुनाव में भी यही बात नज़र आई है।

एवरेस्ट की चढ़ाई क्यों हुई आसान

(मृत्युंजय कुमार राय)

सर एडमंड हिलेरी और शेरपा तेनजिंग नोर्गे 29 मई 1953 के रोज जब माउंट एवरेस्ट पर चढ़े तो इस खबर से दुनिया हैरान रह गई। एवरेस्ट की 29 हजार फीट की ऊंचाई अब नामुमकिन नहीं रह गई थी। इंसान ने एक और अविश्वसनीय माने जाने वाले काम को अंजाम दे दिया था। इसके कुछ दशक बाद एडमंड हिलेरी ने बेटे पीटर हिलेरी के साथ 1990 में एवरेस्ट को फिर फतह किया। पीटर ने एक इंटरव्यू में बताया था कि एवरेस्ट पर पहुंचने के बाद उनके पिता ग्लोबल सिलेब्रिटी बन चुके थे। लोगों में उनका ऑटोग्राफ लेने की होड़ मची रहती थी।

और हो भी क्यों न, एवरेस्ट को जीतना तब नाममुकिन माना जाता था। आज भी एवरेस्ट तक पहुंचना कोई आसान काम नहीं, लेकिन पहले जो अचंभा होता था, वह अब नहीं होता। या यह कहें कि यह अचंभा होना बरसों पहले ही बंद हो गया था। क्यों उसे इन आंकड़ों से समझिए। पिछले साल कोई 1,200 लोगों ने एवरेस्ट पर चढ़ने की कोशिश की और उनमें से 655 कामयाब रहे।

एवरेस्ट की इसी बदली हुई दुनिया के बारे में विल कॉकरेल ने एवरेस्ट आईएनसी नाम की किताब में बताया है। वह लिखते हैं कि एवरेस्ट ने एक प्रफेशनल गाइडिंग इंडस्ट्री को जन्म दिया है। कई कंपनियां लोगों को एवरेस्ट तक ले जा रही हैं। वे इसके लिए 35,000 से 1,10,000 डॉलर तक की फी ले रही हैं। इनके लिए तजुर्बेकार पर्वतारोही काम करते हैं, जो दूसरों को दुनिया के सबसे ऊंचे शिखर तक ले जाने में मदद करते हैं।

विल किताब में इसका भी जिक्र करते हैं कि एवरेस्ट पर चढ़ने जैसे जोखिमभरे अभियान में दुनिया की दिलचस्पी क्यों बनी हुई है और यह वक्त के साथ बढ़ती भी गई है। मनोविज्ञानियों के हवाले से वह बताते हैं कि अव्वल तो लोग इसे एक टेस्ट की तरह लेते हैं। वे जानना चाहते हैं कि क्या शारीरिक और मानसिक रूप से मुश्किल इस काम को वे कर पाएंगे? दूसरी बात यह है कि जोखिम वाले अभियान करने से इंसान को लगता है कि वह एक तरह से मृत्यु को परास्त कर रहा है या उसे नकार रहा है। विल का कहना है कि इसी वजह से जिस किसी साल में एवरेस्ट पर चढ़ने के सिलसिले में मौतों की संख्या बढ़ती है, उसके अगले साल अभियान में शामिल होने वाले पर्वतारोहियों की संख्या बढ़ जाती है।

इस गाइडिंग इंडस्ट्री का कारण डिक बास नाम के शख्स हैं। उनके पूर्वजों ने तेल के धंधे में काफी पैसा बनाया था। वह सातों महादेशों की सबसे ऊंची चोटियों पर चढ़ना चाहते थे। वह पैसों के जोर पर एवरेस्ट के लिए तीन अभियानों में शामिल हुए और 1985 में 55 वर्ष की उम्र में एवरेस्ट तक पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज शख्स बने। उन्हें पर्वतारोहण का तजुर्बा भी बहुत कम था। वह एक आम अमीर इंसान थे। विल बताते हैं कि डिक बास की इस कामयाबी की दुनिया भर के मीडिया में चर्चा हुई और कई कंपनियां वजूद में आईं, जो एवरेस्ट के लिए टूर आयोजित करने लगीं।

1990 के दशक में ऐसे ज्यादातर अभियान सफल भी हुए। 1992-95 में 150 लोगों ने एवरेस्ट तक पहुंचने के लिए ऐसी कंपनियों की मदद ली और इनमें से एक तिहाई को कामयाबी भी मिली। 1990 के दशक के आखिर में कुछ ऐसे अभियान फेल भी हुए। इसके बाद इन गाइडिंग कंपनियों को लगा कि उनके बिजनेस पर बुरा असर पड़ेगा, लेकिन सचाई यह है कि एवरेस्ट का आकर्षण उसके बाद बढ़ता गया। आज पहले से कहीं ज्यादा लोग शिखर तक पहुंच रहे हैं, लेकिन रास्ते में होने वाली मौतों की संख्या भी बढ़ रही है। 2023 में 18 लोगों की इस तरह मौत हो गई, जो अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। विल लिखते हैं कि गाइडिंग कंपनियों के एक्सपर्ट्स जानते हैं कि एवरेस्ट तक पहुंचने के लिए क्या करना पड़ता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उस तक पहुंचने के जोखिम खत्म हो गए हैं।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

इको फ्रेंडली बैक्टीरिया

(दिलीप लाल)

नॉन-स्टिक बर्तन, कुकवेयर, वाटरप्रूफ कपड़े, फूड पैकेजिंग और फायर फाइटिंग फोम बनाने में जिन केमिकल का इस्तेमाल किया जाता है, वे (पीएफएएस) समूह के होते हैं। इस तरह के केमिकल्स पानी, धूल और तेल के प्रतिरोधक होते हैं, इसलिए इन उत्पादों में इनका इस्तेमाल होता है। ये आसानी से नष्ट नहीं होते और पर्यावरण में लंबे समय तक टिके रहते हैं, इसलिए इन्हें

फॉरओवर केमिकल्स भी कहते हैं। ये स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं, क्योंकि पानी, मिट्टी और भोजन के माध्यम से शरीर में जमा होते जाते हैं और विभिन्न स्वास्थ्य समस्याएं पैदा करते हैं।

अध्ययन बताते हैं कि इनसे कैंसर, थायराइड, हाई कोलेस्ट्रॉल और इम्यून सिस्टम से जुड़ी समस्याएं भी पैदा हो सकती हैं। लिहाजा पीएफएएस समूह के केमिकल्स ने दुनिया की चिंता बढ़ा दी है और इनके प्रभाव को खत्म करने के लिए विभिन्न स्तरों पर काम चल रहा है। इसी क्रम में यूनिवर्सिटी ऑफ नेब्रास्का-लिंकन में हुए एक शोध में वैज्ञानिकों ने गंदे पानी में मौजूद ऐसे बैक्टीरिया की खोज कर ली है, जो खास तरह के 'फॉरेवर केमिकल्स' को नष्ट कर देते हैं। हालांकि पीएफएएस के उपचार के लिए पहले से ही कुछ प्रभावी तरीके मौजूद हैं, जैसे कि फिल्ट्रेशन और हीट ट्रीटमेंट। लेकिन, बैक्टीरिया से इसके प्रभाव को कम करने का तरीका बेहतर हो सकता है, क्योंकि इसमें लागत कम आएगी। इसे ग्राउंडवाटर में भी आसानी से इंजेक्ट किया जा सकता है। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

वर्ग पहेली 5453

1	2	3	4		■	5	6
7				■	■	8	
9		■		■	10		■
■	■	11		12	■	■	13
14	15	■	16		17	18	■
19		20		■	21		
	■		■	22			■
23				■		■	■

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1977 में यह देश संयुक्त राष्ट्र में भर्ती हुआ (5)
5. पश्चिमी अफ्रीका के इस देश की राजधानी कोनक्री है (2)
7. जिसमें पूंछ लगी हो, पूंछ वाला (4)
8. प्रथा, परिपाटी, नियम (2)
9. धूल, गर्द, पराग के कण (2)
10. आनंदित, प्रसन्न, शाद, हर्षित (2)
11. दुश्मनी, अदावत, बैर (3)
13. शास्त्रीय संगीत में पांचवा स्वर (1)
14. मोमबत्ती को उर्दू में यह कहते है (2)
16. भगतसिंह के साथ इन्हें भी फांसी पर चढ़ाया गया था (4)
19. महर्षि वाल्मीकि का एक पौराणिक धार्मिक ग्रंथ (4)
21. गप्पी, झूठ बोलने वाला, वाम पार्श्वीय (3)
22. खटराग, झल्लत (3)
23. प्रारब्ध, किस्मत, भाग्य (4)

ऊपर से नीचे

1. ये कौरवों के मंत्री थे जो कृष्ण द्वैपायन के पुत्र थे ये राजनीति, धर्मनीति तथा अर्थनीति में बड़े ही निपुण थे (3)
2. जुड़वा, अश्विनी कुमार (3)
3. तो, तब, फिर (2)
4. अठारह पुराणों में से एक जिसमें सनकादिक ने नारद को संबोधित करके कथा कही है (6)
5. शिव, पर्वतों का राजा होने के कारण हिमालय का एक नाम (3)
6. सामाजिक नियक जो लोक-व्यवहार के हेतु बनाए गए है, आचार-व्यवहार (2)
12. राजमुकुट, किरीट, अवतंस (2)
14. सज्जनता, सभ्यीकरण (4)
15. मातुल, जो रिश्ते में माता के भाई हों (2)
17. उद्यान, वाटिका, बाग, फिल्म जगत के प्रसिद्ध गीतकार (4)
18. रूस देश में इस मुद्रा का प्रचलन है (3)
20. हजरत मूसा के धर्म का अनुयायी, जलील किस्म का सरमायादार (उर्दू)(3)

वर्ग पहेली 5452 का हल

सु	नी	ता	वि	लि	य	म्स	■
ख	ल	ना	■	या	म	■	स
दा	■	बा	ल	क	■	■	र
य	मु	ना	■	त	स	दी	क
क	ला	■	भू	■	म	ना	ना
■	का	शी	■	शे	र	पा	■
अ	ती	त	■	खी	■	ठ	ग
ज	■	ल	ता	■	ता	क	त

दो दूनी चार -रिस्क से इश्क

(रमेश तिवारी)

बाजार में निवेश जोखिमों के अधीन है, ये बात हम अरसे से सुनते आ रहे हैं। इसके बावजूद 'हैरतअंगेज रिटर्न' पाने का चस्का होता है। इसी चाह में जुआ बरसों से खेला जाता है। सट्टे का बाजार भी कम नहीं। अब एक नई चिंता सामने आ गई है। शेयरों के डेरिवेटिव्स की ट्रेडिंग, जो बाजार में इन दिनों फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस के नाम से चर्चित है। इसमें रिटेल निवेशकों की हैरतअंगेज बढ़ोतरी से इकॉनमी को नुकसान हो रहा है। मार्केट रेगुलेटर सेबी और सरकार के लोग लगातार इस बारे में चेता रहे हैं। सेबी ने हाल में कहा कि वो कड़े कदम उठाने के लिए तैयार है। माना जा रहा है कि कदम उठे तो सौदों का वॉल्यूम 30 से 40 पर्सेंट कम हो सकता है। वैसे तो कहा जा सकता है कि अगर आम आदमी खुद से अपना पैसा रिस्की असेट्स में लगा रहा है तो सरकार उसे क्यों रोके। लेकिन डेटा बता रहा है कि इस चिंता की ठोस वजहें हैं। पहले ये समझ लें कि डेरिवेटिव सौदे किए ही क्यों जाते हैं। इसे यूं समझ लें कि कोई शिकंजी की दुकान चलाता है। आज वो 5 रुपये में एक नींबू खरीदता है। एक महीने बाद नींबू का दाम 7 रुपये हो जाए तो उसे दिक्कत हो सकती है। वो नींबू बेचने वाले से पहले ही सौदा कर लेता है। सौदा ये कि एक महीने बाद दाम चाहे दाम 3 रुपये हो जाएं या 8 रुपये, वो एक नींबू के 5 रुपये ही देगा। इस तरह शिकंजी वाला नींबू के दाम बढ़ने का रिस्क कम कर लेता है। कीमत में बढ़ोतरी के रिस्क से बचने के लिए दुनिया भर में निवेशकों को डेरिवेटिव्स सौदों की इजाजत दी गई। भारत में 2020 के बाद डेरिवेटिव्स ट्रेडिंग सुपरहिट हो गए। निवेशकों की जो फौज आई, उसमें बड़ी संख्या उन लोगों की थी जिन्होंने न तो म्युचुअल फंड को चुना, न ही डायरेक्ट शेयरों में निवेश को। वो डेरिवेटिव्स ट्रेडिंग के दीवाने हो गए। पिछले करीब चार साल में डेरिवेटिव ट्रेडिंग में रिटेल निवेश का टर्नओवर डबल हो गया। लेकिन सेबी चीफ ने हाल में कहा कि फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस ट्रेडिंग में भारत में लोग हर साल 60 हजार करोड़ रुपये तक गंवा रहे हैं। समझा जा रहा है कि इस नुकसान में घरेलू बचत का बड़ा हिस्सा डूब गया, जिसे किसी दूसरे उपयोगी असेट्स में लगाया जा सकता था। सेबी की पुरानी स्टडी बताती है कि इसमें 90 पर्सेंट ट्रेडिंग में नुकसान होता है। मार्केट में स्थिरता बनी रहे, निवेशकों के हितों को नुकसान न हो, ये सेबी की जिम्मेदारी है। ब्रोकरों और स्टॉक एक्सचेंजों को भले ही नुकसान हो, लेकिन सेबी का प्लान ये है कि इन सौदों से जुड़ने के लिए कम पैसे वाले लोगों को हतोत्साहित किया जाए। सरकार ने भी बजट प्रस्ताव में फ्यूचर और ऑप्शन सेगमेंट पर सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स बढ़ाने की बात कही है। आर्थिक सर्वे में कहा गया था कि एक विकासशील देश में रिटेल इन्वेस्टर अटकलबाजियों में दिलचस्पी लें, ये ठीक नहीं है। आगे ये भी देखना होगा कि अटकलबाजियों की हरकत शेयर बाजार के दूसरे सेगमेंट में न शुरू हो जाए, जैसे स्मॉल कैप शेयर। या फिर कोई पैरलल व्यवस्था न खड़ी हो जाए, जिस पर सेबी की नजर न हो। इसी वजह से एक नया असेट क्लास लाने की तैयारी चल रही है, जहां रिटेल ट्रेडर्स की रिस्क लेने की भूख मिटाई जा सके।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

आज का राशिफल

मेष

आज दिन लाभ से भरा होगा और आपके सम्मान में वृद्धि होगी। आपको किसी मामले में लाभ होने से आपके सुख में वृद्धि होगी। समाज में शुभव्यय से आपकी कीर्ति बढ़ेगी। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी और आपके धन में वृद्धि होगी। शाम तक कारोबार में कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है।

वृषभ

आज भाग्य साथ दे रहा है और आज आपका मन नई योजनाओं में लगेगा। यात्रा से मन को सकून मिलेगा। कानूनी विवाद में विजय होगी और आपके लिए स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। दिन के उत्तरार्द्ध में आपको लाभ होगा और उलझनों के बावजूद आपके पराक्रम में वृद्धि होगी।

मिथुन

आज लाभ होगा और करियर में दिन सफलता से भरा होगा। किसी रचनात्मक और आर्टिस्ट काम को पूरा करने में आपका दिन बीतेगा और आपको भरपूर सफलता प्राप्त होगी। जो काम आपको सबसे ज्यादा प्रिय है आज वही करने को मिलेगा।

कर्क

आज करियर के मामले में आज का दिन काफी सृजनात्मक है, जो भी काम लगन के साथ करेंगे आज उसका फल उसी समय मिल सकता है। आपके अधूरे काम निपट जाएंगे और कारोबार में महत्वपूर्ण चर्चाएं होंगी।

सिंह

आज दिन काफी व्यस्तता से भरा होगा और आपके सभी रुके कार्य पूर्ण होंगे। धर्म आध्यात्म के मामले में आपकी रुचि बढ़ेगी और आपका मन पढ़ाई-लिखाई में लगेगा। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्यों में रुकावट डालने की कोशिश करेंगे।

कन्या

आज दिन हर काम में सापधानी रखने का है। वरना आपको नुकसान हो सकता है। आस-पास के लोगों से टकराव की नौबत न आए इस बात का ध्यान रखें। किसी शुभ मंगल कार्य की चर्चा हो सकती है। भाग्य पर भरोसा रखें और आत्मविश्वास के साथ कार्य करें।

तुला

आज करियर में लाभ होगा और दिन सम्मान से भरा होगा। कार्य-व्यवहार से जुड़े सभी विवाद आज सुलझ सकते हैं और आपके किसी नए प्रॉजेक्ट पर काम आरंभ हो सकता है। ज़मीन जायदाद के मामले में पारिवारिक और आस-पास के लोग कुछ परेशानी पैदा करने की कोशिश करेंगे।

वृश्चिक

आज लाभ और सम्मान प्राप्त होगा। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और आपको धन के मामले में लाभ होगा। आपको हर कार्य में सफलता प्राप्त होगी और दिन भर लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। अतः कार्यशील रहें। परिवार में सुख शान्ति और स्थिरता का आनन्द उठाएं।

धनु

आज दिन सावधानी और सतर्कता का है। बिजनस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठाएं तो बड़ा लाभ होने की आशा है। रोजमर्रा के काम से परे कुछ नए कामों में हाथ आजमाएं। किसी अपने के लिए कुछ पैसों का इंतजाम करना पड़ सकता है। आपको दूसरों की मदद करनी पड़ेगी।

मकर

आज दिन लाभ और सम्मान से भरा होगा। साझेदारी में में किए व्यापार में लाभ होगा और आपके घर में सुख समृद्धि बढ़ेगी। घरेलू काम को निपटाने का आज सुनहरा मौका है। हो सकता है आज आपको पुत्र-पुत्री के संबंध में कोई बड़ा फैसला लेना पड़े।

कुंभ

आज करियर के मामले में सफलता देने वाला रहेगा। खानपान में लापरवाही बिल्कुल न बरतें। व्यापार के मामले में दिन सुखद व्यतीत होगा। जल्दबाजी में कोई भूल हो सकती है, इसलिए हर काम सोचसमझकर करें। आपको धन लाभ होगा और सम्मान में वृद्धि होगी। आपका भाग्य साथ देगा और योजनाएं सफल होंगी।

मीन

आज दिन आपके लिए शुभ होगा और कार्य में सफलता प्राप्त होगी। परेशानियों को धैर्य और अपने मृदु व्यवहार से सही कर सकते हैं। अपनी बुद्धि का प्रयोग करके आप वह सब कुछ पा सकते हैं, जिसकी आपको अभी तक कमी रही है। किसी संकटग्रस्त व्यक्ति की सहायता कर सकें तो शुभ होगा।

संक्षिप्त समाचार

न खाना और न पानी, चारों तरफ अंधेरा; रुद्रप्रयाग के जंगलों में फंसे दिल्ली के युवकों ने सुनाई खौफनाक कहानी

नईदिल्ली, एजेंसी। न खाना, न पानी, दूर तक घने जंगल और घुप्प अंधेरा। हर वक्त डर कि कहीं कोई जंगली जानवर आकर न हमला कर दे। दिल्ली के अंकित और महेश के लिए त्रिजुगीनारायण के जंगलों में बिताई रात जीवन की सबसे भयावह याद के रूप में दर्ज हो गई है। देवदूत बनकर आए एसडीआरफ के जवानों ने जब उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला तो जाकर उनकी जान में जान आई। केदारनाथ की यात्रा पर आए दिल्ली के सरिता विहार निवासी महेश और सुनील 31 जुलाई की रात आई आपदा के दौरान गौरीकुंड में फंस गए थे। चारों तरफ भय का माहौल देखकर दोनों की एक इच्छा थी कि बस किसी तरह यहां से बाहर निकल जाएं। गौरीकुंड में स्थानीय लोगों के कहने पर ये दोनों तीन अगस्त की सुबह गौरीकुंड-त्रिजुगीनारायण तोशी मार्ग पर चल दिए। उनके साथ करीब 11 और लोग भी थे। दोनों युवाओं ने अपनी जो कहानी बताई वो रोंगटे खड़े कर देती है। उन्होंने बताया कि भूख, प्यास और थकान की वजह से आगे बढ़ा भी नहीं जाया जा रहा था। कुछ देर एक पत्थर पर टेक लगाकर बैठे तो बैठे ही रह गए। इसी बीच उनके साथ चल रहे बाकी नौ लोग आगे निकल गए। अपने साथियों से बिछड़ने के बाद हालत और भी खराब हो गई। वे दोनों रास्ता भटक गए। महेश और सुनील ने कहा कि जैसे ही शाम होने लगी धीरे-धीरे अंधेरा पसरने लगा। चारों तरफ बियावान जंगल और मोबाइल का नेटवर्क भी नहीं था। पूरी रात जंगल में गुजारी। मोबाइल नेटवर्क से जुड़ने के लिए सुबह होने पर हिम्मत कर ऊंचे स्थान पर पहुंचे। मोबाइल के नेटवर्क में आने पर तत्काल पुलिस को फोन किया और फंसे होने की सूचना दी। यह क्षेत्र त्रिजुगीनारायण के ऊपर करीब आठ किलोमीटर की दूरी पर था। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि केदारनाथ में फंसे लोगों को रेस्क्यू करने के अभियान की वे खुद मॉनीटरिंग कर रहे हैं।

एलजी ने सही किया; सुप्रीम कोर्ट से आम आदमी पार्टी को बहुत बड़ा झटका

नईदिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में 10 एल्डरमैन को सरकार की सहमति लिए बिना नियुक्त किए जाने के एलजी वीके सक्सेना के फैसले को सर्वोच्च अदालत ने सही करार दिया है। देश की सबसे बड़ी अदालत ने इसमें कानून का उल्लंघन नहीं पाया। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली सरकार की यह दलील खारिज कर दी कि एलजी 'एल्डरमैन' नामित करने के लिए मंत्री परिषद की सलाह मानने को बाध्य हैं। जस्टिस पीएस नरसिम्हा ने सोमवार को यह फैसला सुनाया। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुआई वाली बेंच ने इस मामले की सुनवाई की थी। बेंच में जस्टिस जेबी पारदीवाला भी शामिल थे। फैसले सुनाते हुए जस्टिस नरसिम्हा ने कहा कि एल्डरमैन की नियुक्ति एलजी का वैधानिक कर्तव्य है और इसे पूरा करने में वह राज्य कैबिनेट की सलाह लेने को बाध्य नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर करीब 15 महीने तक फैसला सुरक्षित रखा। पिछले साल 17 मई को शीर्ष अदालत ने कहा था कि उपराज्यपाल को एमसीडी में एल्डरमैन नामित करने का अधिकार देने का मतलब होगा कि वह निर्वाचित नगर निकाय को अस्थिर कर सकते हैं। एमसीडी में 250 निर्वाचित और 10 नामित सदस्य हैं। दिसंबर 2022 में आप ने नगर निगम चुनाव में 134 वार्ड में जीत के साथ एमसीडी पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 15 साल के शासन को समाप्त कर दिया था। भाजपा ने 104 सीट जीती थीं, जबकि कांग्रेस 9 सीट के साथ तीसरे स्थान पर रही थी।

10 महीने तक बाथरूम में बच्ची से हवस मिटाता रहा बुजुर्ग, ट्रायल कोर्ट के फैसले पर बिदका हाई कोर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने हाल ही में 60 साल के रेप के आरोपी की जमानत रद्द कर दी। आरोपी पर 13 साल की बच्ची के साथ रेप का आरोप है। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने कहा कि भले ही अदालतें आमतौर पर जमानत देने के आदेशों में हस्तक्षेप नहीं करती, लेकिन इस मामले में आरोपी को जमानत पर रिहा करने से समाज पर गलत प्रभाव पड़ेगा। कोर्ट ने कहा कि जब ट्रायल कोर्ट जमानत देने के लिए जरूरी कारणों को नजरअंदाज कर दे तो हाई कोर्ट द्वारा जमानत रद्द करना उचित होगा। जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने कहा कि कोर्ट की राय है कि ऐसे अपराधियों को जमानत देने से समाज पर हानिकारक प्रभाव पड़ेगा और यह उद्देश्य के विपरीत होगा जिसके लिए पास्को अधिनियम लागू किया गया था। दरअसल हाई कोर्ट उस मामले पर सुनवाई कर रहा था जिसमें पीड़िता के पिता ने ट्रायल कोर्ट के 27 अगस्त 2022 के आदेश को चुनौती दी थी जिसमें आरोपी को जमानत दे दी गई थी। 60 साल के आरोपी पर आरोप है कि 10 जनवरी साल 2019 से वह बच्ची को एक इमारत के बाथरूम में ले जाता था और उसके कपड़े उतारकर उसके साथ गंदी हरकत करता था। 9 अक्तूबर 2019 को जब वह बच्ची को बाथरूम ले जा रहा था, आरोपी पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376 (रेप) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पास्को अधिनियम) की धारा 6 के तहत मामला दर्ज किया गया था।

आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर बीजेपी-कांग्रेस एक साथ!

नईदिल्ली, एजेंसी। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को कोटे के अंदर कोटा देने और क्रीमी लेयर का रिजर्वेशन खत्म करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर बीजेपी और कांग्रेस एकमत दिखाई दे रहे हैं। हालांकि दोनों ही दलों के सहयोगियों में उलझन देखी जा रही है। बाकी दलों का स्टैंड उनके वोट बैंक के आधार पर है। सुप्रीम कोर्ट से फैसला आने के बाद कई दलों ने इसका विरोध शुरू कर दिया। वहीं कई दल अब भी उलझन में हैं कि इसका स्वागत किया जाए या फिर विरोध। कांग्रेस ने इस फैसले को लेकर चुप्पी साध रखी है।

जानकारों का कहना है कि इस फैसले से अनुसूचित जाति में दबदबा रखने वाली जातियों को नुकसान हो सकता है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने पहले ही ऐलान कर दिया है कि वह सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर रिव्यू पिटिशन फाइल करेंगे। बिहार के सर्वे के मुताबिक राज्य में 5.31 फीसदी आबादी पासवानों की है। यादव के बाद ये दूसरी जाति है जिसकी आबादी सबसे ज्यादा है। वहीं तीसरे नंबर पर जावट हैं जिनकी संख्या 5.25 फीसदी है। साल 2008 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महादलित के अंदर कई अन्य जातियों को भी शामिल कर दिया था। वहीं पासवान को इससे बाहर रखा गया। जेडीयू का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला सुनाया है उसे नीतीश कुमार ने 2008 में ही लागू कर दिया था। वहीं दूसरे केंद्रीय मंत्री और ॥रूनेता जीतनराम मांझी अब भी उलझन में हैं कि इस फैसले पर क्या कहा जाए। उन्होंने अब तक चुप्पी साध रखी है। मांझी मुसहर समाज से आते हैं। यह जाति महादलित के अंतरगत आती है और उनकी संख्या 3 फीसदी है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से मुसहर समाज को फायदा मिल सकता है और शायद इसीलिए जीतनराम मांझी ने चुप्पी साध रखी है।

आरजेडी ने किया फैसले का विरोध : आरजेडी ने इस फैसले का विरोध किया है। तेजस्वी यादव और चिराग पासवान इस मामले में एकमत दिखाई दे रहे हैं। उनका कहा है कि दलितों के आरक्षण के लिए कभी आय को आधार नहीं बनाया गया। वहीं उत्तर प्रदेश में बीजेपी के साथ निषाद पार्टी और सुहैल देव भारतीय समाज पार्टी ने भी फैसले का स्वागत किया है। निषाद पार्टी की मांग है कि निषादों को भी एससी कैटिगरी में शामिल किया जाए। वहीं ओपी राजभर ओबीसी कोटा के अंदर ईबीसी कोटा की मांग कर रहे हैं।

माया, चिराग और चंद्रशेखर तक विरोध में : सुप्रीम कोर्ट ने पिछले सप्ताह एससी और एसटी आरक्षण में उप-कोटा तय करने को मंजूरी दी थी। अदालत ने कहा था कि यदि राज्य सरकारों को लगता है कि एससी और एसटी वर्ग की कोई जाति ज्यादा पिछड़ी है तो फिर उसके लिए सब-कोटा तय किया जा सकता है। यही नहीं 7 जजों की संवैधानिक बेंच ने 4-3 के बहुमत से कहा था कि एससी और एसटी में क्रीमी लेयर की भी पहचान होनी चाहिए। इस वर्ग में क्रीमी लेयर के तहत आने वाले लोगों को आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए। इसकी बजाय उसी समाज के गरीबों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। शीर्ष अदालत के इस फैसले का एक वर्ग ने स्वागत किया है तो वहीं दलित समाज के बड़े हिस्से में उबाल है। ट्विटर पर पिछले दो दिनों से लगातार इसके विरोध में ट्रेंड चल रहा है। यही नहीं 21 अगस्त को भारत बंद का आह्वान भी कई दलित संगठनों की ओर से किया गया है। खासतौर पर बसपा प्रमुख मायावती ने भी इसका विरोध किया है। उन्होंने कहा कि इस तरह-तरह आरक्षण को ही खत्म करने की साजिश हो रही है। सब-कोटा पर मायावती ने कहा कि इससे सरकारें अपने मन से किसी भी जाति को कोटा दे सकेंगी और अपने राजनीतिक हितों को साधा जा सकेगा। ऐसा फैसला ठीक नहीं है। यही नहीं उन्होंने क्रीमीलेयर पर भी सुप्रीम कोर्ट की राय का विरोध किया। मायावती ने कहा कि यह बात सही है कि दलित समाज में 10 फीसदी लोगों के पास पैसा आया है। वह पदों पर पहुंचे हैं, लेकिन उनके बच्चों से आरक्षण का लाभ नहीं छीना जा सकता। ऐसा इसलिए क्योंकि जातिवादी मानसिकता के लोगों के विचार अब भी नहीं बदले हैं। पैसा आने के बाद भी समाज में स्वीकार्यता नहीं है। ऐसे में उनसे आरक्षण छीनना ठीक नहीं होगा। इस बीच भाजपा और कांग्रेस ने इस मामले पर कोई रिएक्शन नहीं दिया है। लेकिन आगरा की कैंट सीट से विधायक जी.एस धर्मेश ऐक्टिव हो गए हैं।

दिल्ली में फ्लैट की दीवार पर लिखे पाक समर्थित नारे, एजेंसियां अलर्ट; शख्स बोला- मेरी मोहब्बत है

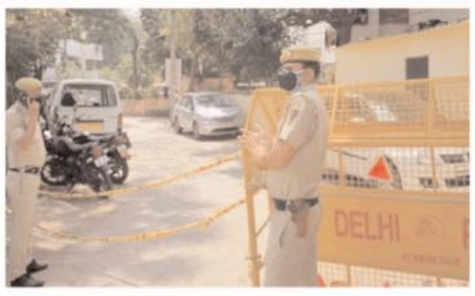

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के रोहिणी में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। एक शख्स ने अपने फ्लैट की दीवार पर पाकिस्तान के समर्थन में नारे लिखे हैं। पुलिस को रविवार को जब इसे लेकर शिकायत मिली तो व्यक्ति को हिरासत में लिया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, हमें स्थानीय लोगों से सूचना मिली कि रोहिणी के अवंतिका सी-ब्लॉक इलाके में रहने वाले एक व्यक्ति ने अपने फ्लैट की दीवार पर पाकिस्तान के समर्थन में नारे लिखे हैं। शुरुआती जांच में पता चला है कि व्यक्ति मानसिक रूप से स्थिर नहीं है और फ्लैट में अकेला रहता है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि वे इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या उस व्यक्ति का पाकिस्तान या किसी समूह से कोई संबंध है। पुलिस ने शख्स के बारे में और जानकारी हासिल करने के लिए उसके परिवार के सदस्यों से संपर्क किया। अधिकारी ने कहा कि उसके कमरे से आपत्तिजनक पोस्टर और बैनर जब्त किए गए हैं। वहीं सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो भी वायरल हो रहे हैं, जिसमें कुछ स्थानीय लोग कथित तौर पर उसके फ्लैट की दीवार पर लिखे नारे दिखा रहे हैं।

ये मेरी मोहब्बत : टाइम्स नाऊ की रिपोर्ट के अनुसार, फ्लैट की दीवारों पर शख्स ने पाकिस्तान जिंदाबाद और लॉन्ग लिव पाकिस्तान के नारे लिखे हुए हैं। नारों को देखकर लोगों ने पुलिस कोफोन किया और शख्स को लताड़ा जिससे वह आगबबूला हो गया और उनसे बहस करने लगा। एक स्थानीय निवासी ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो रिकॉर्ड किया है। जब शख्स से पूछा जाता है कि उसने दीवारों पर पाकिस्तान समर्थित नारे क्यों लिखे तो वह कहता है कि मेरी मोहब्बत है।

पहले पत्नी की हत्या फिर खुद भी लगा ली फांसी, पड़ोसियों ने झांककर देखा तो उड़ गए होश

नईदिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक शख्स ने पहले अपनी पत्नी का गला घोंटकर हत्या कर दी फिर खुद भी फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। घटना सेक्टर-40 के डीएलएफ ब्लॉक-ढ्ढ की बताई जा रही है। घटना रविवार रात को उस वक्त सामने आई जब लोगों ने घर के अंदर झांककर एक शख्स को फंदे से लटकते हुए देखा। दरअसल जब काफी देर तक घर से किसी भी तरह की कोई आवाज नहीं आई और पड़ोसियों ने वहां रहने वाले पति पत्नी की ओर से कोई गतिविधि भी नहीं देखी तो उन्हें कुछ शक हुआ। उन्होंने घर के अंदर झांककर देखा तो उनके होश उड़ गए। अंदर पति फंदे से लटका नजर आया। इसके बाज पड़ोसी तुरंत घर के अंदर घुसे और पति पत्नी को एंबुलेंस में सिविल अस्पताल ले गए। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। सेक्टर-40 पुलिस स्टेशन के स्टेशन हाउस ऑफिसर इंस्पेक्टर सत्यवान ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि पड़ोसियों ने पुलिस को घटना की सूचना दी तो पुलिस तुरंत फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने बताया, शुरुआती जांत में सामने आया है कि शख्स ने शायद झगड़े के बाद पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी और फिर खुद भी फांसी लगा ली।

विकास दिव्यकीर्ति ने बदल दिया माहौल, 3 वजहों से होने लगी तारीफ

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर में हुए हादसे ने जहां एक तरफ कोचिंग व्यवस्था पर कई सवाल खड़े कर दिए तो दूसरी तरफ कई मशहूर शिक्षक भी छात्रों के निशाने पर आ गए। कोचिंग में लापरवाही की वजह से तीन यूपीएससी स्टूडेंट्स की मौत पर चुप्पी की वजह से दृष्टि आईएएस को संचालक विकास दिव्यकीर्ति से भी वे छात्र उनसे नाराज हो गए जो उनकी हर बात को सुनते और मानते थे। प्रदर्शन के दौरान कई छात्रों ने खुलकर कहा कि विकास दिव्यकीर्ति समेत कई शिक्षकों ने उनकी अपेक्षा तोड़ी है। कई तो हाथ में इनके खिलाफ पोस्टर लिए भी नजर आए। हालांकि, दिव्यकीर्ति ने इसके बाद डैमेज कंट्रोल करते हुए छात्रों नाराजगी दूर कर दी है। यही वजह है कि अब सोशल मीडिया पर आलोचना वाले पोस्ट कम हो गए हैं तो कई उनकी तारीफ भी करने लगे।

गलती के लिए माफी : विकास दिव्यकीर्ति ने स्टूडेंट्स की नाराजगी को भांपते हुए घटना के चौथे दिन अपनी चुप्पी तोड़ी। उन्होंने बिना किसी किसी लाग-लपेट के अपनी गलती मानी और कोई किंतु-परंतु लगाए बिना माफी भी मांगी। अपने पहले बयान में अपनी बात की शुरुआत उन्होंने माफी मांगते हुए ही की और कई बार अफसोस जाहिर किया। अपेक्षा पर खड़े नहीं उतरने को अपनी गलती मानते हुए और माफी मांगकर उन्होंने छात्रों की नाराजगी काफी हद तक दूर कर दी।

दो ऐलान से बदला माहौल : इसके बाद विकास दिव्यकीर्ति ने राव कोचिंग सेंटर के पीड़ित स्टूडेंट्स के लिए दो बड़े ऐलान किए, जिसको लेकर उनकी तारीफ भी हुई। विकास दिव्यकीर्ति ने श्रेया यादव, तान्या सोनी और निविन डाल्विन के परिवार की मदद के लिए 10-10 लाख रुपए आर्थिक मदद की घोषणा की और यह भी कहा कि यदि भविष्य में इनके परिवार को

किसी तरह की सहायता की आवश्यकता होती है तो मदद करके वह कृतज्ञ होंगे। इसके अलावा उन्होंने हादसाग्रस्त कोचिंग के विद्यार्थियों की पढ़ाई में मदद की पेशकश की। उन्होंने कहा, हम सामान्य अध्ययन, टेस्ट सीरीज़ और वैकल्पिक विषयों की तैयारी के लिए उन्हें निशुल्क शैक्षणिक सहायता और कक्षाएं उपलब्ध कराएंगे। जो विद्यार्थी इस सुविधा का लाभ लेना चाहें, वे सोमवार, 5 अगस्त 2024 से हमारे करोल बाग स्थित कार्यालय में मौजूद सहायता डेस्क पर संपर्क कर सकते हैं। विकास दिव्यकीर्ति के ऐलान पर एक यूजर ने एक्स पर लिखा, सराहनीय सर,आप से ही उम्मीद थी बच्चो को। एक अन्य ने कहा, सराहनीय कदम है , ऐसी दुख की घड़ी में सबको साथ होना चाहिए किसी को ये नहीं लगना चाहिए कि मुसीबत सब मुंह मोड़ लेते है। देर आए दुरुस्त आए। हालांकि, कुछ अब भी नाराज हैं और वह इस मदद को नाकाफी बता रहे हैं।

दिल्ली मेट्रो में बार-बार नहीं खरीदना होगा त्तक्रकोड टिकट, स्मार्ट कार्ड की तरह करेगा काम; क्या खासियत :नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली मेट्रो में सफर करने वाले यात्री अब क्यूआर कोड वाले टिकट का मेट्रो स्मार्ट कार्ड की तरह इस्तेमाल कर पाएंगे। मेट्रो प्रबंधन ने क्यूआर कोड टिकट के जरिए कई बार यात्रा (मल्टीपल जर्नी) सेवा शुरू करने के लिए ट्रायल शुरू कर दिया है। अगर यह सफल रहा तो जल्द ही मोबाइल का क्यूआर कोड ही मेट्रो स्मार्ट कार्ड की तरह काम करेगा। अच्छी बात यह है कि इसमें स्मार्ट कार्ड की तरह न्यूनतम 200 रुपये की जगह महज 100 रुपये का ही रिचार्ज कराना होगा। दरअसल, दिल्ली मेट्रो मोबाइल के जरिए क्यूआर कोड टिकटिंग के प्रयोग का विस्तार कर रही है। इसके लिए अलग-अलग ऐप के साथ समझौता करके इसे लॉन्च भी कर चुकी है। हालांकि, अभी इस क्यूआर कोड टिकट को सिर्फ एक बार यात्रा (सिंगल जर्नी) के लिए प्रयोग किया जा सकता है। अगर आप को दूसरी यात्रा करनी है तो दोबारा से क्यूआर कोड टिकट जनरेट करना पड़ता है। नई व्यवस्था में एक ही क्यूआर कोड को मेट्रो स्मार्ट कार्ड की तरह रिचार्ज कराकर कई बार यात्रा कर पाएंगे। दिल्ली मेट्रो के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि फ्रॉड रोकने या फिर स्क्रीन शॉट लेकर कोई दूसरी यात्रा न कर सके।

दिल्ली में वक्फ की 1 हजार से ज्यादा प्रॉपर्टी, टॉप पर है उप्र

नईदिल्ली, एजेंसी। वक्फ एक्ट में संशोधन की तैयारियां जारी हैं। खबर है कि केंद्र सरकार संशोधन को लेकर जल्द ही बिल ला सकती है। हालांकि, अब तक साफ नहीं हो सका है कि सदन में प्रस्तावित विधेयक कब पेश होगा। आंकड़े बताते हैं कि देश में वक्फ के पास 8 लाख एकड़ से ज्यादा की संपत्ति है। इनमें सबसे पहला नाम उत्तर प्रदेश का है। दूसरे स्थान पर पश्चिम बंगाल और तीसरे स्थान पर पंजाब है।

खास बात है कि प्रस्तावित बिल में संपत्तियों को मूल्यांकन के लिए कलेक्टर के पास रजिस्टर्ड कराना अनिवार्य करने की बात कही गई है। वक्फ एसेट मैनेजमेंट सिस्टम ऑफ इंडिया के आंकड़े बताते हैं कि देश में वक्फ के पास 8 लाख 72 हजार 321 अचल, 16 हजार 713 चल, संपत्तियां हैं। फिलहाल, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का कहना है कि वक्फ बोर्ड की कानूनी स्थिति और शक्तियों में किसी भी तरह का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। देश के आजाद होने के सात साल बाद 1954 में वक्फ अधिनियम पहली बार पारित हुआ था। तब देश के प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू थे और उनकी सरकार वक्फ अधिनियम लेकर आई। हालांकि, बाद में इसे निरस्त कर दिया

गया। एक साल बाद 1955 में फिर से नया वक्फ अधिनियम लाया गया। इसमें वक्फ बोर्डों को अधिकार दिए गए। नौ साल बाद 1964 में केंद्रीय वक्फ परिषद का गठन किया गया, जो अल्पसंख्यक मंत्रालय के अधीन था। इसका काम वक्फ बोर्ड से संबंधित कामकाज के बारे में केंद्र को सलाह देना होता है।

नरसिम्हा सरकार ने एक्ट में बदलाव किया : वक्फ परिषद के गठन के लगभग 30 साल बाद साल 1995 में पीवी नरसिम्हा राव सरकार ने वक्फ एक्ट में पहली बार बदलाव किया। उस संशोधन के बाद वक्फ बोर्ड के पास जमीन अधिग्रहण के असीमित अधिकार आ गए।

प्रस्तावित बिल का विरोध : एआइएमपीएलबी का कहना है कि के प्रवक्ता एस क्यू आर इलियास ने एक बयान में कहा कि बोर्ड इस कदम को विफल करने के लिए सभी प्रकार के कानूनी और लोकतांत्रिक उपाय अपनाएगा। इधर, अल्पसंख्यक मामलों के पूर्व मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने रविवार को एक्स पर कहा, वक्फ की कार्यशैली को टच मी नॉट (अछूत) की सनक-सियासत से बाहर आना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा, समावेशी सुधारों पर सांप्रदायिक वार ठीक नहीं है।

कार की छत पर खड़े होकर डांस, 4 युवकों ने खूब काटा बवाल; नोएडा पुलिस ने किया गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। कार की छत पर चढ़कर डांस और शोर शराबा कर रहे युवकों का वीडियो सोशल मीडिया के विविध प्लेटफॉर्म पर वायरल हुआ है। सेक्टर-20 पुलिस ने वीडियो में दिख रहे चारों युवकों को गिरफ्तार कर लिया और उनके खिलाफ बीएनएस के तहत कार्रवाई की है। घटना में इस्तेमाल होने वाली सियाज कार को भी पुलिस ने सीज कर दिया है। वीडियो शनिवार देर रात का है। रविवार को सोशल मीडिया के विविध प्लेटफॉर्म पर 15 सेकेंड का एक वीडियो वायरल हुआ। वायरल वीडियो में एक युवक कार की छत पर और दो युवक कार के पास खड़े होकर डांस करते नजर आ रहे हैं, जबकि चौथा युवक कार के अंदर बैठा हुआ था। चारों तेज आवाज में गाने बजाकर डांस कर रहे हैं। कार के ऊपर चढ़कर भी युवक शोर शराबा कर रहे हैं। पास से गुजर रहे किसी व्यक्ति ने घटना का वीडियो बनाया और वायरल कर दिया। वायरल वीडियो को लोगों ने साझा किया और नोएडा पुलिस के अधिकारियों को टैग करते हुए युवकों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने प्रयागराज निवासी 25 वर्षीय हर्ष पांडेय, झारखंड के जमशेदपुर निवासी शिव गौतम, सिंहभूमि निवासी कासिम और बिहार के बेगूसराय निवासी आनंद सिंह को गिरफ्तार कर लिया। सभी वर्तमान में नोएडा के अलग-अलग हिस्से में किराये

का कमरा लेकर रहते हैं और निजी कंपनियों में नौकरी करते हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह एक दोस्त के घर के बाहर शनिवार को उसका जन्मदिन मना रहे थे। वीडियो उसी समय का है। युवकों ने पुलिस से आगे से ऐसा नहीं करने का वादा भी किया। ग्रेटर नोएडा नॉलेज पार्क कोतवाली क्षेत्र में काले रंग की गाड़ी को कोतवाली के गेट पर रील बनाने का वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया। सोशल मीडिया पर वायरल 13 सेकेंड के वीडियो में युवा गाड़ी को थाने से बाहर लेकर आते हुए दिख रहे हैं। वीडियो नॉलेज पार्क कोतवाली के मुख्य गेट का है। वीडियो में काले रंग की गाड़ी में बैठा युवक गाड़ी चलाकर बाहर आ रहा है और आगे चलकर हाथ को लहराते हुए निकल जाता है। वीडियो के बैकग्राउंड में संगीत की धुन पर युवक स्टंट कर रहे हैं।

दुनिया के आधे देशों में आसान एंट्री कराता है भारतीय पासपोर्ट, यहां करें वीजा फ्री यात्रा

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनिया के तकरीबन आधे देशों ने भारतीय पर्यटकों के लिए वीजा प्रक्रिया बेहद आसान कर दी है। भारतीय पासपोर्ट धारकों के लिए इन देशों की यात्रा प्रक्रिया बेहद सुगम हो गई है। विदेश मंत्रालय के अनुसार मौजूदा समय में 16 देशों ने वीजा मुक्त एंट्री, 40 देशों ने वीजा ऑन अराइवल और 47 देशों ने ई-वीजा की शुरुआत कर दी है। विदेश मंत्रालय लगातार कोशिश में जुटा है कि दुनिया के बाकी देश भी भारतीयों के लिए सफर को आसान बनाने के लिए आगे आएं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि वीजा प्रक्रिया के लिए उपरोक्त सुविधाएं देना किसी देश का अपना मामला है, लेकिन यह काफी हद तक इस बात पर भी निर्भर करता है कि भारत से उसके संबंध कैसे हैं। जैसे-जैसे भारत की दूसरे देशों के साथ प्रगाढ़ता बढ़ रही है, वैसे-वैसे आसान वीजा सुविधाएं देने वाले देशों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि कई देशों से चर्चा चल रही है तथा इस साल के अंत तक इस सूची में और भी देश जुड़ सकते हैं।

इन देशों में वीजा मुक्त सफर : इसमें थाइलैंड, भूटान, हांगकांग, मालदीव, मारीशस प्रमुख रूप से शामिल हैं। कई देश ई-वीजा और वीजा ऑन अराइवल दोनों सुविधाएं दे रहे हैं। ई-वीजा की सुविधा देने वाले देशों में वियतनाम, रूस, यूएई, अजरबैजान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, अर्जेंटीना, बहरीन, मलेशिया, न्यूजीलैंड, ओमान,

सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, ताइवान, युगांडा, उजबेकिस्तान आदि शामिल हैं। अराइवल वीजा सुविधा देने वाले देशों में फिजी, इंडोनेशिया, ईरान, जमाइका, जार्डन, नाइजीरिया, कतर, जिम्बाम्वे, ट्यूनेशिया आदि शामिल हैं। इनमें से कई देश ऐसे हैं जो ई-वीजा और अराइवल वीजा दोनों की सुविधा दे रहे हैं।

मूलतः पर्यटक वीजा पर ही सुविधाएं : वीजा मुक्त, अराइवल वीजा या ई-वीजा की सुविधा जिन देशों ने प्रदान की है, वह मूलतः पर्यटक वीजा पर ही लागू होती है। इसमें 15 दिनों से लेकर अधिकतम तीन महीने तक देश में रुकने की अनुमति दी जाती है।

समय की होती बचत : वीजा प्रक्रिया आसान होने से फायदा यह है कि दूतावास से नियमित वीजा लेने की प्रक्रिया में लगने वाला समय बच जाता है। ई-वीजा, अराइवल वीजा की प्रक्रिया आसान होती है। इसमें निर्धारित दस्तावेजों को या तो अपलोड करना होता है या अराइवल वीजा लेते समय पेश करना होता है जिसके आधार पर तत्काल वीजा मिल जाता है। भारत भी अनेक देशों को ई-वीजा, अराइवल वीजा और वीजा मुक्त एंट्री दे रहा है। भारत करीब 170 देशों को ई वीजा, जापान, साउथ कोरिया, यूएई समेत कई देशों को वीजा ऑन अराइवल की सुविधा प्रदान कर रहा है। जितने देश भारत को वीजा फ्री या आसान वीजा एंट्री देंगे उससे भारत के पासपोर्ट की ताकत बढ़ेगी।

पेरिस ओलंपिक

ग्रेट ब्रिटेन पर भारत की जीत के बाद दिलीप तिर्की ने कहा, श्रीजेश पर था पूरा भरोसा

पेरिस, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने रविवार को एक रोमांचक मुकाबले में ग्रेट ब्रिटेन को शूटआउट में 4-2 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान और हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने इस जीत के बाद गोलकीपर पीआर श्रीजेश की खूब तारीफ की। इस मैच में तीन क्वार्टर तक एक खिलाड़ी कम खेलने के बावजूद, भारतीय टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए मैच को शूटआउट तक पहुंचाया। जहां गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने दो शॉट्स बचाकर भारत को सेमीफाइनल में पहुंचाया। यह 1972 के बाद पहली बार है जब भारत लगातार दो ओलंपिक में सेमीफाइनल में पहुंचा है। मैच के 17वें मिनट में अमित रोहिदास को डेंजरस स्टिक टैकल के लिए रेड कार्ड मिला, जिसके बाद भारत को बाकी मैच 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा।

तिर्की ने मैच के बाद बात करते हुए कहा, अमित रोहिदास को रेड कार्ड मिलने के बाद हम दबाव में थे, यह नहीं होना चाहिए था, क्योंकि उन्होंने जानबूझकर ऐसा नहीं किया। हमने मैच में अच्छा डिफेंड किया और मैच बचा लिया। हमें श्रीजेश पर पूरा भरोसा था कि वह शूटआउट में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। भारतीय हॉकी के दिग्गज ने आगे कहा कि टीम का लक्ष्य अब स्वर्ण पदक जीतना है और सेमीफाइनल में अच्छा प्रदर्शन करना है। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ने कहा, टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई है और यह एक महत्वपूर्ण मैच होगा। हमारा लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना और अगले मैच में अच्छा प्रदर्शन करना है। भारत का अगला मुकाबला 6 अगस्त को अर्जेंटीना और जर्मनी के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल के विजेता से होगा।

माहेश्वरी, रायज़ा महिलाओं के स्कीट क्वालीफिकेशन में 14वें और 23वें स्थान पर रहीं

चेटोरौक्स, एजेंसी। भारतीय निशानेबाज माहेश्वरी चौहान और रायजा ढिल्लों क्रमशः 14वें और 23वें स्थान पर रहीं और महिलाओं के स्कीट फाइनल के लिए कट-ऑफ से पीछे रह गईं, जिससे रविवार को पेरिस ओलंपिक में क्वालीफिकेशन स्पर्धा में उनका अभियान समाप्त हो गया। मौजदा एशियाई

चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता माहेश्वरी ने मजबूत शुरुआत की और चौथे दौर के अंत तक मजबूत दावेदारी में थीं। उनके निरंतर प्रदर्शन ने उन्हें फाइनल के लिए कट-ऑफ अंक तक पहुंचा दिया। फिर भी, आखिरी दौर का दबाव चुनौतीपूर्ण साबित हुआ। तीन महत्वपूर्ण चूकों के परिणामस्वरूप स्कोर 22/25 हो गया, जिससे उसका कुल स्कोर 118/125 रहा। इससे वह फाइनल में पहुंचने वाले शीर्ष छह निशानेबाजों के बाहर 14वें स्थान पर आ गईं। दूसरी ओर, रायज़ा की पहले दिन की शुरुआत चुनौतीपूर्ण रही। हालाँकि, उसने उल्लेखनीय लचीलापन दिखाया और बाद के राउंड में दृढ़ प्रयास के साथ शुरुआती कमी को पूरा किया। उसके सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, अंतर पूरी तरह से दूर करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हुआ। उसने क्वालीफिकेशन स्पर्धा को 113/125 के स्कोर के साथ 23वें स्थान पर समाप्त किया, और शीर्ष 20 से पीछे रह गई।

चाहे कुछ भी हो जाए मैं नहीं बदलूंगा

रोहित शर्मा का इरादा साफ, श्रीलंका से हार के बाद दिया बयान

नईदिल्ली, एजेंसी। हम तो भई जैसे हैं, वैसे रहेंगे ये लाइन वैसे तो हिंदी फिल्म 'वीर-जारा' के गाने की है. लेकिन, फिलहाल. रोहित शर्मा पर फिट बैठती दिख रही है. खासकर उनके उस बयान के बाद तो बिल्कुल सटीक , जो उन्होंने दूसरे वनडे में श्रीलंका से हारने के बाद दी है.

अब सवाल है कि टीम इंडिया के वनडे कप्तान रोहित शर्मा ने श्रीलंका से दूसरे वनडे में मिली हार के बाद क्या कहा? रोहित के मुताबिक टीम इंडिया की हार हो या जीत हो, उनके इरादे नहीं बदलने वाले. कोलंबो में पहला वनडे टाई होने के बाद 4 अगस्त को भारत और श्रीलंका दूसरे वनडे में आमने-सामने हुए थे.

इस मैच में पहले खेलते हुए श्रीलंका ने भारत के सामने 241 रन का लक्ष्य रखा था. लेकिन, श्रीलंका की स्पिन के आगे भारत की मजबूत बैटिंग लाइन-अप ताश के पत्तों की तरह ढह गई. ऐसा तब हुए जब सिर्फ 13.2 ओवर में ही उसने बिना विकेट खोए 97 रन बना लिए थे. मतलब जो स्टार्ट टीम को चाहिए था, वो उसे मिल चुकी थी. बावजूद इसके श्रीलंका ने भारत को 32 रन से हराकर सीरीज में 1-0 की लीड ले ली.

रोहित की ताबड़तोड़ पारी, फिर भी टीम हारी

रोहित शर्मा के 64 रन की ताबड़तोड़ पारी खेलने के बाद भारत को दूसरे वनडे में हार का सामना करना पड़ा. इससे पहले रोहित ने पहले वनडे में भी अर्धशतक जमाया था और वो मुकाबला टाई हुआ था. टीम इंडिया के तरफ से पहले दो वनडे में सिर्फ रोहित शर्मा के बल्ले का तेवर ही सही मिजाज में दिखा. उन्होंने पिछले दोनों मैचों में भारत को वो शुरुआत दिलाई, जिसकी उसे जरूरत थी. बावजूद इसके टीम जीत नहीं पाई.

बैटिंग में अप्रोच बदलने का कोई इरादा नहीं- रोहित

ऐसे में जब रोहित शर्मा से दूसरे वनडे में मिली हार के बाद पूछा गया कि क्या उन्हें अपने तेवर खासकर पावरप्ले में बदलने की जरूरत है? इस सवाल का जवाब रोहित की तरफ से ना में रहा. उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी को लेकर अपना अप्रोच बदलने को उनका कोई प्लान नहीं है.

रोहित ने कहा कि मैं अपने इरादे को लेकर कोई समझौता नहीं करूंगा. जिस तरह से मैं खेल रहा हूं. गेंद को हिट कर रहा हूं. वो टीम के लिए फायदेमंद है. इसलिए मैं पावरप्ले को भुनाने की ज्यादा से ज्यादा कोशिश करूंगा ताकि टीम के स्कोर बोर्ड पर ज्यादा से ज्यादा रन लगा सकूं.

अश्विन की हैट्रिक, टीएनपीएल में टीम को दिलाई पहली खिताबी जीत

नईदिल्ली, एजेंसी। कहते हैं कप्तान वो होता है जो फ्रंट से लीड करे. टीएनपीएल में अश्विन ने बिल्कुल वैसा ही काम डिंडिगुल ड्रैगन्स के लिए किया है. 4 अगस्त को खेले फाइनल मुकाबले में इसने लाइका कोवई किंग्स को हराकर टीएनपीएल का खिताब पहली बार जीता.

डिंडिगुल को टीएनपीएल का नया चैंपियन बनाने में वैसे तो पूरा टीम एफर्ट दिखा, लेकिन जो बात कप्तान अश्विन में दिखी वो किसी और में नहीं. अश्विन ने फाइनल में फिफ्टी जड़ते हुए टूर्नामेंट के नॉकआउट स्टेज पर अर्धशतकों की हैट्रिक लगाई. तो गेंद से ज्यादा विकेट ना चटकाते हुए विरोधियों को ऐसे रुलाया कि वो जीत को तरस गए. अब ऐसे कप्तान की टीम को तो जीतना ही था.

फाइनल में अश्विन की गेंदों पर रन बनाना हो गया मुश्किल

टीएनपीएल के फाइनल में डिंडिगुल ड्रैगन्स ने कोवई किंग्स को 6 विकेट से हराया. पहले बल्लेबाजी करते हुए कोवई किंग्स ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 129 रन बनाए. डिंडिगुल ड्रैगन्स की ओर से कसी गेंदबाजी देखने को मिली. संदीप वॉरियर ने 4 ओवर में 26 रन देकर 2 विकेट लिए. तो वहीं वरूण चक्रवर्ती का भी गेंदबाजी फीगर ऐसा ही रहा. उन्होंने भी 4 ओवर में 26 रन देकर 2 विकेट लिए.

अश्विन ने फाइनल में गेंद से विकेट भले ही नहीं लिया. लेकिन, अपनी गेंदों पर कोवई किंग्स के बल्लेबाजों को रनों के लिए तरसा दिया. उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 13 रन दिए. अश्विन ने 12 गेंदें डॉट फेंकी.

अश्विन ने फाइनल में जड़ा अर्धशतक

अश्विन डिंडिगुल ड्रैगन्स के सबसे किफायती गेंदबाज तो बन गए थे. पर अभी काम पूरा नहीं हुआ था. क्योंकि, कोवई किंग्स से मिले 130 रन का लक्ष्य हासिल करना अभी बाकी था. सिर्फ 23 रन पर अपने दोनों ओपनर के डग आउट लौटने के बाद अश्विन ने ये काम भी बखूबी किया.

पदक जीतने तक संन्यास नहीं लूंगी

पेरिस, एजेंसी। भारत की सबसे अनुभवी तीरंदाजों में से एक दीपिका कुमारी पेरिस में अपने लगातार चौथे ओलंपिक में खेलने उतरीं। दिसंबर 2022 में मां बनने के बाद उन्होंने खेल में वापसी की। राष्ट्रीय चयन ट्रायल में शीर्ष स्थान हासिल करने के बाद उन्होंने अप्रैल में शंघाई विश्व कप में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता था।

भारतीय महिला तीरंदाज दीपिका कुमारी ने पेरिस ओलंपिक में प्रभावित नहीं कर पाने के बाद बड़ा बयान दिया है। लगातार चार ओलंपिक में विफल रहीं दीपिका ने कहा कि वह जब तक ओलंपिक में पदक नहीं जीत लेतीं, तब तक खेल को अलविदा नहीं कहेंगी। कई बार की विश्व कप विजेता अनुभवी तीरंदाज दीपिका का मानना है कि वह 2028 में लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक में पोडियम पर पहुंचने में सफल रहेंगी।

लगातार चौथे ओलंपिक में उतरी थीं दीपिका

भारत की सबसे अनुभवी तीरंदाजों में से एक दीपिका कुमारी पेरिस में अपने लगातार चौथे ओलंपिक में खेलने उतरीं। दिसंबर 2022 में मां बनने के बाद उन्होंने खेल में वापसी की। राष्ट्रीय चयन ट्रायल में शीर्ष स्थान हासिल करने के बाद उन्होंने अप्रैल में शंघाई विश्व कप में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता था। हालांकि, पेरिस ओलंपिक में वह प्रभावित नहीं कर सकीं।

दीपिका को महिला व्यक्तिगत वर्ग में दावेदार माना जा रहा था और उन्होंने अच्छी शुरुआत करके क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। लेकिन अंतिम आठ मुकाबले में बढ़त लेने के बावजूद दीपिका को हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, दीपिका, भजन कौर और अंकिता भकत की महिला जोड़ी भी प्रभावित नहीं कर सकी थी।

भविष्य में खेल जारी रखूंगी

दीपिका ने कहा, निश्चित रूप से मैं भविष्य में और खेलना चाहती हूं और अपना खेल जारी रखूंगी। मैं ओलंपिक पदक जीतना चाहती हूं और जब तक मैं इसे हासिल नहीं कर लेती, तब तक मैं खेल नहीं छोड़ूंगी।

मैं कड़ी मेहनत करूंगी और मजबूती से वापसी करूंगी। मैं और मजबूती से पेश करूंगी। इसमें कई चीजे हैं जैसे तेजी से निशाना लगाना, मुझे इसके बारे में थोड़ा और जानने की जरूरत है और इसके अनुसार खुद को तैयार करना सबसे महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा, मैंने ओलंपिक से यही सीखा है कि देर से निशाना लगाना कारगर नहीं होता, आपके पास बड़ी गलतियों की गुंजाइश नहीं होती। आपको इस पर नियंत्रण रखना होता है। मैं यहां से यह सीख लूंगी।

पेरिस ओलंपिक में अब तक भारत ने बनाए 5 बड़े रिकॉर्ड

पेरिस, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक में भारत अब तक 3 कांस्य पदक जीत चुका है। यह तीनों पदक निशानेबाजी में आए हैं। भारत ने अब तक पेरिस ओलंपिक में मिला-जुला प्रदर्शन किया है। उन रिकॉर्ड पर एक नजर डलते हैं, जो भारत ने अब तक पेरिस ओलंपिक में बनाए हैं।

भारत के लिए मनु भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में कांस्य पदक हासिल करके इतिहास रचा था। इससे पहले भारत की किसी महिला निशानेबाज ने ओलंपिक शूटिंग में कोई पदक नहीं जीता था। मनु भाकर ने तीसरे नंबर पर आकर न केवल मेडल जीता, बल्कि पेरिस ओलंपिक में भारत का मेडल टैली में खाता भी खोला था। मनु भाकर और सरबजोत सिंह की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में कांस्य पदक जीता। इसके साथ ही मनु भाकर भारत की ऐसी पहली खिलाड़ी बन गईं, जिन्होंने एक ही ओलंपिक में दो मेडल जीते।

मनु भाकर बाद में 25 मीटर एयर पिस्टल महिला इवेंट के फाइनल में नंबर चार पर रहीं। वह एक ही ओलंपिक में तीन शूटिंग फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय निशानेबाज बनीं। शूटिंग में भारत की उपलब्धियों में स्वप्निल कुसाले ने एक और पदक जोड़ा।

स्वप्निल कुसाले ने 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन इवेंट में कांस्य पदक जीता। स्वप्निल कुसाले 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन इवेंट में ओलंपिक मेडल लाने वाले पहले भारतीय निशानेबाज बने। घुड़सवारी में पेरिस ओलंपिक में भारत के एकमात्र राइडर अनुश अग्रवाल ने इतिहास रचा। वह ओलंपिक में ड्रेसेज में हिस्सा लेने वाले पहले भारतीय बने। अनुश अग्रवाल अपने घोड़े सर कारमेलो ओल्ड के साथ ड्रेसेज ग्रांड प्रिक्स इंडिविजुअल क्वालीफायर राउंड में नौवें स्थान पर रहे।

पाक हॉकी दिग्गज की भारतीय टीम को सलाह विजेता की तरह खेलो और स्वर्ण तुम्हारा है

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम के प्रदर्शन से प्रभावित पाकिस्तान के महान सेंटर फॉरवर्ड हसन सरदार ने हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम को एक ही सलाह दी है, 'विजेता की तरह खेलो और तुम्हें स्वर्ण जीतने से कोई नहीं रोक सकता।

लॉस एंजिलिस ओलंपिक 1984 में पाकिस्तान को स्वर्ण पदक दिलाने में सूत्रधार रहे सरदार ने कहा, 'जब हॉकी या क्रिकेट में पाकिस्तान नहीं खेल रहा होता है तो मैं हमेशा भारत का समर्थन करता हूं।

यह भारत की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से है जिसमें काफी सुधार आया है और जो यूरोपीय टीमों को कड़ी टक्कर दे रही है। उन्होंने कहा, 'इस टीम के पास 1980 के बाद ओलंपिक हॉकी में पहला स्वर्ण जीतने का सुनहरा मौका है और मुझे लगता है कि वे जीतेंगे।

टेनिस

जोकोविच के नाम ओलंपिक गोल्ड के साथ गोल्डन स्लैम भी, ऐसा करने वाले केवल पांचवें खिलाड़ी

पेरिस, एजेंसी। जोकोविच ने इससे पहले 2008 बीजिंग ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। नोवाक जोकोविच 37 वर्ष की उम्र में 1988 के बाद से ओलंपिक टेनिस स्पर्धा में सबसे उम्रदराज स्वर्ण पदक विजेता बने। दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने पेरिस ओलंपिक 2024 में पुरुष एकल स्पर्धा में कार्लोस अल्कारेज को हराकर स्वर्ण पदक जीत लिया। उन्होंने स्पेन के खिलाड़ी को 7-6 (3), 7-6 (2) से हराकर अपने ओलंपिक करियर में पहली बार स्वर्ण जीता। इसी के साथ वह गोल्डन स्लैम पूरा करने वाले टेनिस के इतिहास में पांचवें खिलाड़ी बन गए।

क्या होता है गोल्डन स्लैम?

जब कोई खिलाड़ी ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के साथ चार ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिताओं (ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन, विंबलडन और यूएस ओपन) में भी जीतता है तब उसे गोल्डन स्लैम माना जाता है। जोकोविच के नाम भी गोल्डन स्लैम दर्ज हो गया। स्टेफी ग्राफ एक ही वर्ष (1988) में यह उपलब्धि हासिल करने वाली एकमात्र खिलाड़ी हैं।

जीत के बाद भावुक हुए जोकोविच

जोकोविच ने इससे पहले 2008 बीजिंग ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। नोवाक जोकोविच 37 वर्ष की उम्र में 1988 के बाद से ओलंपिक टेनिस स्पर्धा में सबसे उम्रदराज स्वर्ण पदक विजेता बने। अल्कारेज के खिलाफ जीत के बाद जोकोविच कोर्ट पर ही गिर पड़े और उनकी आंखें नम हो गईं। मुकाबले के बाद वह अपने परिवार से मिले।

गोल्डन स्लैम जीतने वाले टेनिस खिलाड़ी

खिलाड़ी का नाम	देश	वर्ष
स्टेफी ग्राफ	जर्मनी	1988
आंद्रे अगासी	अमेरिका	1999
राफेल नडाल	स्पेन	2010
सेरेना विलियम्स	अमेरिका	2012
नोवाक जोकोविच	सर्बिया	2024

भारतीय खाने के दीवाने हुए डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियन जॉन सीना

जल्द भारत वापस आने की जताई इच्छा

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट (डब्ल्यूडब्ल्यूई) के 16 बार के चैंपियन जॉन सीना पिछले महीने अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी के लिए मुंबई आए थे। इस दौरान उन्होंने भारतीय परंपरा को देखा और देसी खाने का भी लुत्फ उठाया था। जॉन सीना अभी भी उस स्वाद को नहीं भूल सके हैं और उन्होंने भारतीय खाने की जमकर तारीफ की है। जॉन सीना का कहना है कि वह कम समय के लिए भारत आए थे, लेकिन अब जल्द ही यहां वापस आना चाहते हैं।

जॉन सीना ने अनंत-राधिका की शादी के दौरान चखे भारतीय भोजन की यादों को ताजा करते हुए कहा कि उन्हें मसालेदार खाना खाने पर ध्यान देने की जरूरत है।

सीना ने कहा, अंबानी की शादी में कई तरह के व्यंजन थे, लेकिन उन्होंने भारतीय खाना और स्ट्रीट फूड भी शानदार रखा था। खाना काफी अच्छा था। मैं काफी कम समय वहां रुका, लेकिन मैं जल्द ही भारत वापस जाना चाहता हूं और कुछ अन्य भारतीय खाने का आनंद लेना चाहता हूं। खाने में मसाला मेरे लिए काफी था, इसलिए जब मैं वापस जाऊंगा तो अपने स्पाइस मीटर को परखने का इंतजार नहीं कर पाऊंगा। मैं जल्द भारत आने के लिए उत्सुक हूं।

देसी अवतार में दिखे थे जॉन सीना

जॉन सीना अनंत-राधिका की शादी में देसी अवतार में दिखे थे। उन्होंने पारंपरिक शेरवानी पहनी थी और सिर पर साफा भी लगाया था। इस दौरान जॉन सीना अपने सिग्नेचर पोज में फोटो खिंचाने से भी नहीं चूके थे। अनंत-राधिका में शादी में जॉन सीना ने काफी लाइम-लाइट लूटी थी।

डब्ल्यूडब्ल्यूई से संन्यास की घोषणा की थी

जॉन सीना ने पिछले महीने अपने डब्ल्यूडब्ल्यूई करियर का अंत करने की घोषणा की थी। जॉन सीना अगले साल डब्ल्यूडब्ल्यूई को अलविदा कहेंगे। सीना ने खुलासा किया था कि वह फिलहाल मंडे नाइट रॉ में बने रहने की योजना बना रहे हैं। यह शो जनवरी 2025 में लॉन्च होने जा रहा है। सीना ने 2001 में डब्ल्यूडब्ल्यूई के साथ कॉन्ट्रैक्ट साइन किया और उसके बाद लगातार सफलता की सीढ़ियां चढ़ते गए। शुरुआत में उनकी और कर्ट एंगल की फ्यूड काफी चर्चा में रही थी। कर्ट ओलंपिक में गोल्ड मेडलिस्ट हैं।

2018 में वह डबल्यूडब्ल्यूई से दूर हो गए और कभी कभी दिखते रहे। उन्होंने अपने अभिनय करियर को आगे बढ़ाने के लिए इससे किनारा कर लिया। वह रिकॉर्ड 16 बार के डब्ल्यूडब्ल्यूई के विश्व चैंपियन हैं।

चोबीस घंटे से लगातार हो रही बारिश से मिढासन नदी खतरे के निशान से ऊपर

नगर के दो वार्डों व पड़ोसी गांव की ओर पानी मुडा, कई गांव पानी से घिरे लेकिन सुरक्षित, बाढ़ की संभावना बढ़ी

अमानगंज। पन्ना जिले के अमानगंज नगर में कई बार मिढासन नदी अपनी बाढ़ का प्रकोप दिखाकर स्थानीय एवं क्षेत्रीय ग्रामो में प्रवेश करके जनता में भारी नुकसान पहुंचा चुकी है। आज फिर वही स्थिति बनती नजर आ रही है, बीते 24 घंटे से अमानगंज नगर सहित आसपास के ऊपरी इलाकों में हो रही लगातार बारिश से नदी का जलस्तर देर रात अचानक बढ़ जाने से उसका प्रभाव स्थानिये एवं क्षेत्रीय स्तर पर फैल चुका है और नदी कई गांव की ओर अपना जल फेला चुकी है और कई गांव नदी के पानी से घिर गए।जिसके चलते सड़क मार्ग आज पूरे दिन बंद रहे जिनमें अमानगंज-पन्ना , अमानगंज-कटनी, अमानगंज- सिमरिया-दमोह और अमानगंज- छतरपुर मार्ग पूरी तरह से बंद बताए गए। केवल एक ही सड़क मार्ग पर यातायात की व्यवस्था सुलभ रही जो अमानगंज - गुनौर- सतना सड़क मार्ग बताया गया ।जो पानी के प्रकोप से सुरक्षित रहा अमानगंज- पन्ना सड़क मार्ग मे पिपरबाह के पास का नाला पूरी तरह उफान पर आने के कारण उसने सड़क मार्ग को पूरी तरह से बंद कर दिया सुबह 5:30 के बाद हालात सभी मार्गों के बिगड़ गए। लगातार रात भर चली बारिश से केन नदी का प्रकोप और तेज हो गया जिसने अमानगंज -पवई-कटनी सड़क मार्ग को पूरी तरह से जाम कर दिया और इसी तरह के हालात सिमरिया- दमोह सड़क मार्ग पर देखने को मिले जहां पुल के ऊपर भी पानी बताया गया और यह सड़क मार्ग की पूरी तरह से बंद हुआ। इसी तरह के हालात अमानगंज -किशनगढ़- छतरपुर मार्ग पर है,जहां दो तरफ से नदियों का बड़ा संगम होता है वहां नदियों का भारी पानी जमा होने से दिनभर खतरे के हालत बने रहे। पिछले 24 घंटे से मिढासन, केन ,बियारमा, सुनार, पतने नदीयां पुरी दम के साथ उफान पर चलती रही, जिनकी निगरानी में स्थानीय प्रशासन और पुलिस प्रशासन पूरी मजबूती के साथ मैदान में तैनात रहा। जिन्होंने सूचना में बताया कि अमानगंज तहसील क्षेत्र के कुछ गांव को पानी ने चारो ओर से घेरा है परंतु आम जनता सुरक्षित है जिन गांवों के चारों ओर पानी बताया जा रहा है उनमें भैंसवाही,बेरगड़ा, सिमरा कला के नाम प्रकाश में आए हैं, जबकि अमानगंज नगर के पड़ोसी गांव हिनौती और जिजगांव के कुछ मकान जो मुख्य सड़क मार्ग से लगे हुए बने है वहाँ पानी का प्रभाव बढ़ जाने से जनता खतरे में रही, लेकिन प्रशासन ने वहां से नालियों का निर्माण आस्थाई कराकर पानी बाहर निकाला और उन्हें सुरक्षित किया। शाम 4 बजे के बाद बारिश कम और बंद होने से हालात कुछ संभले और आम जनता में राहत बताई गई। इस विषय पर जब प्रशासन और शासन से संपर्क कर जानकारी चाहिए गई तो उनका कहना था की हालत अभी चारों ओर सुरक्षित है कहीं कोई जनधन की हानि नहीं है।

लापरवाही पर दो पटवारी निलंबित

पन्ना। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अजयगढ़ संजय कुमार नागवंशी ने अजयगढ़ तहसीलदार के प्रतिवेदन पर पदीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरतने वाले दो पटवारियों के विरूद्ध निलंबन एवं विभागीय जांच संस्थित करने की कार्यवाही की है। साथ ही निलंबन पश्चात पटवारियों का मुख्यालय अजयगढ़ अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय निर्धारित कर तहसीलदार अजयगढ़ को जांचकर्ता अधिकारी नियुक्त किया है।

अजयगढ़ तहसील के पटवारी हल्का पिष्टा के पटवारी इन्द्रभान सिंह एवं पाठा हल्का पटवारी लक्ष्मीकांत शर्मा को विभिन्न शासकीय कार्य संपादित नहीं करने, गत 27 जुलाई से पंचायत भवन में उपस्थित होकर राजस्व महाअभियान से संबंधित कार्य नहीं करने व अनुपस्थिति पर निलंबित किया गया है। निलंबित पटवारियों द्वारा कारण बताओ नोटिस का जवाब भी प्रस्तुत नहीं किया गया था।

प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी ने संभागीय मुख्यालय में जल जीवन मिशन के कार्यों की ली समीक्षा बैठक

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत संघप्रिय ने भी भागीदारी के साथ चल रहे कार्यो के बारे में जिले के हालात से अवगत कराया

पन्ना। जल-जीवन मिशन अपने आप में एक बड़ा चुनौतीपूर्ण व महत्वपूर्ण कार्य माना जा रहा है। जिस तरह से उसका नाम मिशन जुड़ा हुआ है वह निश्चितौर पर जीवन में असरकारी माना जा रहा है जल ही जीवन है जहां हर घर में नल से जल पहुंचाने को लेकर सरकार की प्राथमिकता है वहीं जल निगम के माध्यम से समूचे जिले में जो कार्य किये जा रहे है वही लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के द्वारा भी जल से संबंधित कार्यों को जो अंजाम दिया जा रहा है जिसकी समीक्षा बैठक संभाग स्तर पर प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के द्वारा ली गई बैठक में जिले के प्रमुख रूप से जिला पंचायत सीईओ संघप्रिय के द्वारा भागीदारी की गई जिले में चल रहे जल जीवन मिशन के कार्यों के द्वारा जिस तरह से प्रयास व क्रियान्वयन जारी है समीक्षा बैठक में निश्चितौर पर अवगत कराया गया। समूचे बुन्देलखण्ड क्षेत्र के समस्त खण्ड एवं जल निगम के अंतर्गत चल रहे कार्यों की समीक्षा बैठक लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख सचिव द्वारा लेते हुए प्रगति के हाला जाने गये। देखना यह है कि सरकार की महत्वाकाक्षी योजना जिसके माध्यम से जल ही जीवन है जिसे जल-जीवन मिशन के नाम से क्रियान्वयन की दिशा दी गई है। जिसके माध्यम से हर घर नल से जल कब तक मिलने लगेगा। यह तो आगे आने वाले समय में ही जाना जायेगा।

कलेक्टर ने प्रदान की सहायता राशि

पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार ने मुख्यमंत्री कृषक कल्याण योजना अंतर्गत अजयगढ़ तहसील के ग्राम अम्हा निवासी मृतक कृषक हरगोविन्द कुशवाहा की पत्नी को आर्थिक सहायता राशि प्रदान की है। गत दिवस कलेक्टर कक्ष में जिला कलेक्टर द्वारा मृतक की पत्नी सुमन कुशवाहा को परिवारजनों की उपस्थिति में स्वीकृत राशि का चेक प्रदान किया गया।

सांसद विष्णु शर्मा ने क्षतिग्रस्त सिद्धनाथ मार्ग के दिए जांच के आदेश

पन्ना। महर्षि अगस्त्य की तपोस्थली कही जाने वाली सिद्धनाथ तीर्थ स्थल में गत वर्षो में विकास पुरुष कहे जाने वाले स्थानीय सांसद और प्रदेश अध्यक्ष श्री बी डी शर्मा ने कई विकास के कार्य किए है उन्हें जैसे ही मीडिया से प्रकाशित समाचार पत्रों से यह पता चला कि अभी हाल ही में निर्मित सिद्धनाथ मार्ग पहली बरसात में क्षतिग्रस्त हो चुका है उक्त मार्ग का निर्माण कार्य निचले स्तर (मिट्टी एवं जीएसबी)का कार्य ग्रामीण यांत्रिकी विभाग सेवा द्वारा कराया गया है तथा मार्ग में सी सी रोड का निर्माण पर्यटन विभाग द्वारा कराया गया है लेकिन उक्त मार्ग पहली बरसात में क्षतिग्रस्त हो गया है जिससे स्पष्ट होता है कि यह निर्माण कार्य गुणवत्ता विहीन है जो अत्यंत खेद जनक है , श्री शर्मा ने कलेक्टर पन्ना को पत्र के माध्यम से तुरंत आदेश दिया की यह लापरवाही किस स्तर पर और किन के द्वारा की गई है जिससे मार्ग क्षति ग्रस्त हो गयाहै ।

ऐसे दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करते हुए राशि वसूली के साथ-साथ, निर्माण एजेंसी एवं संबंधित विभाग के विरुद्ध भी कठोरतम कार्रवाई की जाए तथा मार्ग का निर्माण शीघ्र कराया जाए।

दुर्गेश शिवहरे
जिला मीडिया प्रभारी
भारतीय जनता पार्टी पन्ना

फ्रेंडशिप डे पर झझौआ झरने में मौत की सेल्फी, एक दोस्त का शव मिला, दूसरे की तलाश जारी

मैहर। मैहर में अमरपाटन के कठहा के झझौआ झरने में फ्रेंडशिप डे के दिन तमाम बंदिशों के बावजूद झरने में सेल्फी लेने की कोशिश के दौरान दो युवक बह गए। भारी बारिश और जल स्तर बढ़ने के मद्देनजर सुबह से ही लोगों को प्रशासन और पुलिस के लोग समझाइश दे रहे थे। दोनों युवक सतना के कोलगवां की नई बस्ती के रहने वाले थे। वहां लोगों का आवागमन भी प्रतिबंधित कर दिया गया था। एसडीएम ने भी दोपहर में ही निरीक्षण किया था और एहतियाती निर्देश दिए थे। दोपहर के वक्त झरने में नहाने वालों की भीड़ लगी थी। उन सब को वहां से हटा कर कोटवारों को तैनात किया गया था।

महाविद्यालयों में शिक्षण कार्य आज भी अतिथि विद्वानों के सहारे

शिक्षा प्रदान करने के लिए प्राध्यापकों की नियुक्ति जब तक नही तो क्या अतिथि विद्वानों के सहारे उच्च शिक्षा कितनी गुणवत्तापूर्ण होगी, यह तो जिम्मेदार ही बतायेंगे

पन्ना। शिक्षा ही विकास का प्रमुख आधार मानी जाती है। जहां विकास के दावे क्या कोरे माने जाये जिस तरह से विकास को लेकर कृषि महाविद्यालय व खोरा महाविद्यालय की खोलने की बात सामने आई है पर महज जुगाड़ व्यवस्था जैसे हालात आज भी शिक्षा प्रदान करने के लिए प्राध्यापकों की कमी सरकार के द्वारा पदस्थापना न कियेजाने के कारण बनी हुई है। आखिर अतिथि विद्वानों के सहारे उच्च शिक्षा कितनी गुणवत्तापूर्ण प्रदान कीजायेगी। इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है वहीं उच्च शिक्षा प्रदान करने में शासकीय महाविद्यालयो में जो प्राध्यापक पदस्थ है उनके द्वारा कितनी संवेदनशीलता के साथ शिक्षा प्रदान करने का दायित्व निभाया जा रहा है। इसकी मॉनीटरिंग करने से ही जाना जा सकता है। जहां उच्च शिक्षा प्रदान करने में सरकार के द्वारा अच्छी खासी वेतन प्रदान की जाती है। इनकी कार्यप्रणाली की कोई मॉनीटरिंग नहीं वहीं जो शिक्षक विद्यालयों में इनसे दोगुना कम रूप में शिक्षा प्रदान करने के लिए जाने जाते है उनकी मॉनीटरिंग को लेकर अच्छी खासी लिस्ट प्रशासन के द्वारा बनाई गई। जो प्रतिदिन विद्यालयों का निरीक्षण करके अवगत कराने की जिम्मेदारी को लेकर जाना जाता है पर उच्च शिक्षा में जहां एक लाख से ऊपर की राशि प्राध्यापकों को प्रदान की जाती है इनके द्वारा कितने पीरियड पढ़ाने का दायित्व निभायाजाता है इसकी कोई मॉनीटरिंग नहीं। वहीं सरकार के द्वारा क्या महज जिस तरह से घोषणा रूपी महाविद्यालयों को जुगाड़ व्यवस्था के तहत खोलने का झुन-झुना पकड़ा दिया गया। न ही स्टेक्कर और न ही स्टॉप और न ही पढ़ाने के लिए प्राध्यापकगणों की नियुक्ति तो यह कैसे महाविद्यालय और कैसी विकास की दास्ता। इंतजार आज भी वास्तविकता में इनके स्वरूप को लेकर स्टेक्कर तथा स्टॉप व पढ़ाने के लिए प्राध्यापकगणों की दरकार। वहीं यह जरूर है कि कृषि महाविद्यालय की बिल्डिंग का निर्माण कार्य जनकपुर के पास आरंभ होने की बात मानी जा रही है निश्चितौर पर शिक्षा प्रदान करने के लिए पद प्राध्यापकों के जो शासन स्तर से भरे जाने है उनकी जरूरत जरूर बनी हुई है क्योंकि शिक्षा अतिथि विद्वानों के सहारे ही प्रदान की जा रही है।

वृंदावन डैम का मेंटेनेंस नहीं होने एवं लाइनिंग का काम अधूरा होने से बर्बाद हो रहा पानी

जर्जर हुआ डैम, नहर क्षतिग्रस्त, मेंटेनेंस के नाम पर हर साल लाखों का घोटाला

पन्ना। गढ़ीपड़रिया में वर्ष 2011 में लगभग 2 करोड़ की लागत से बना वृंदावन डैम मेंटेनेंस के अभाव में बारिश का पानी डैम में संग्रह होने के बजाय नाले में बह कर बर्बाद हो रहा है। जानकारी के अनुसार 7 राजस्व ग्रामों के किसानों के खेतों को पानी देने के लिए इस डैम का निर्माण किया गया था, लेकिन वर्तमान में केवल 3 राजस्व ग्रामों, गढ़ीपड़रिया और रंजोरपुरा को पानी मिल पा रहा है। रानीपुरा, ककरहटी, मखरा, देवरिगढ़ी के किसानों के खेतों को पानी नहीं मिल रहा है। मेंटेनेंस के अभाव में पूरा डैम जर्जर हो गया है, बेस्ट बियर के दोनों वॉल्व से पानी का भारी रिसाव हो रहा है। इसके अलावा 4 पॉइंट सीपेज बताए जा रहे हैं, लाइनिंग का काम अधूरा पड़ा है एवं लाइनिंग में काली मिट्टी के बजाय स्थानीय रेतीली मिट्टी उपयोग करने से नहर बार-बार टूट रही है। कुल मिलाकर पूरी नहर क्षतिग्रस्त हो चुकी है। जिससे मिट्टी से भरी बोरियां लगा कर काम चलाया जा रहा है। ग्रामीणों के द्वारा विभागीय अधिकारियों को कई बार जानकारी देने के बावजूद सुधार नहीं करवाया गया, क्षेत्रीय किसानों के द्वारा कई बार क्षेत्रीय विधायक एवं सांसद से लिखित व मौखिक शिकायत की गई इसके बावजूद मनमानी और लापरवाही जारी है। बताया गया है कि साइड इंजीनियर एवं अन्य अधिकारियों के द्वारा मेंटेनेंस के नाम पर कागजी खानापूर्ति कर लाखों की राशि का बंदरबांट कर लिया जाता है।

इनका कहना है

डैम भरने के बाद बेस्ट वीयर से पानी बहने लगता है, मैंने यहां हाल ही में ज्वाइन किया है जानकारी लेकर बता पाऊंगा।

बृजेश खरे,
साइड इंजीनियर

सतना और मैहर में भारी बारिश ने मचाया कोहराम, कई कच्चे घर गिरे, सड़कों पर भरा पानी

मैहर/सतना। मध्य प्रदेश में लगातार हो रही बारिश से नदी-नाले उफान पर है। कई जिलों बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। रुक-रुककर हुई बारिश ने शासकीय प्रबंधन की पोल खोल दी है। कई जिलों में हालात बिगड़ने लगे हैं।

भारी बारिश का असर सतना और मैहर जिले पर खासा देखा जा रहा है। यहां बीते तीन दिन से लगातार जारी बारिश के चलते बाढ़ ने ऐसा कहर बरपाया है कि घर, मकान, दुकान, खेत, खलिहान, सड़कें सब जलमग्न हो गई हैं।

पत्रकार विजय दुबे को मातृ शोक, दुबे परिवार में शोक की लहर

अमानगंज

नगर अमानगंज के प्रतिष्ठित दुबे परिवार में आज एक शोक की घटना घटित हो गई। यहां पंडित अशोक दुबे उर्फ दद्दा जी की धर्मपत्नी श्रीमती चंदा देवी उम्र 65 वर्ष का गंभीर बीमारी के बाद नागपुर अस्पताल में निधन हो गया ज्ञात हो कि आप गंभीर बीमारी से ग्रसित थी जैसे ही इसकी जानकारी परिजनों को लगी तो वह इलाज कराने जबलपुर और जबलपुर से फिर नागपुर पहुंचे। जहां तकरीबन 20 दिनों तक लगातार उनका इलाज चला और एक ऑपरेशन भी हुआ और हालात कुछ सामान्य हुई लेकिन दो दिनों के बाद हालत बिगड़ी जो फिर संभल नहीं सकी और उसमें उसे उनका निधन हो गया आपकी मौत से पत्रकार विजय , अजय दुबे कि आप माताजी हैं। इस घटना के बाद समूचे दुबे परिवार में भारी शोक की लहर देखी गई। आज प्रात: काल जैसे ही आपका शव वाहन नगर अमानगंज पहुंचा तो आपके सभी शुभचिंतक भारी संख्या में आपके निवास पर उपस्थित हो गए। मौसम खराब होने की वजह से जैसे ही मौसम में हल्की सी राहत मिली तत्काल आपका अंतिम संस्कार कर दिया गया और मुखाग्नि आपके पति दद्दा जी द्वारा दी गई। आपके अंतिम संस्कार में स्थानीय एवं क्षेत्र से काफी संख्या में लोग उपस्थित हुए जिन्होंने आपको अंतिम विदाई देते हुए ईश्वर से आपको श्री चरणों में लेने की कामना की और परिवार को यह गहन दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

केन नदी अभी भी दोनों पाटों के बीच में समासम हालात

बारिश के चलते केन नदी अपनी मस्त समागम की चाल में धारा को प्रवाहित करते हुए देखी जा रही है

पन्ना। जिस तरह से विगत दिवस से बारिश का दौर रूक-रूककर सिलसिलेवार जारी रहा। वहीं घाटी के ऊपर जो केन की सहायक नदियां तथा नाले का पानी के नदी में समाहित होता है वह केन नदी अजयगढ़ तहसील में एक बड़ी नदी के रूप में अपने अस्तित्व को स्वयं ही बनाते हुए आगे जाकर बांदा जिले के चिल्ला गांव के पास से जाकर जमुना नदी में समाहित होती है। जिस तरह से केन नदी में पानी के हालात समासम दोनों पाटों के बीच समागम भरे हालातो में अपनी चाल से स्वयं ही मदमस्त हालात को लेकर प्रवाहित रूप में देखी जा रही है। अभी भी केन नदी में कोई खतरे के हालात नहीं माने जा रहे। जिस तरह से केन नदी की गहराई को रेत निकालकर हालात बनाये गये उससे साफ जाहिर हो रहा है अभी तक जो वर्षा हुई है जिसके चलते घाटी ऊपर की सहायक नदियां तथा नाले जो केन में समाहित हुए है भले ही इनमें बाढ़ के हालात नजर आ रहे है पर केन नदी अपने आप में अभी भी दोनों किनारों में समागम के हालात को सम मानी जा रही है। वहीं खतरे के कोई हालात नहीं है। निश्चित ही केन नदी इस स्वरूप से सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि केन नदी को कितनी गहराई से रेत निकालकर हालात को अंजाम दिया गया है। अब यह अलग बात है कि इस हालात के चलते वर्षा के बाद कितनी जगह रेत की आपूर्ति पुन: होती है या नहीं यह तो वर्षाकाल के बाद ही पता चलेगा।

कुत्तों के पैर-मुंह बांधकर नदी में फेंकने की कोशिश, सतना में 2 लोगों पर मामला दर्ज

सतना। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र के दो युवक कुत्तों को पुल से नदी में फेंकने ही वाले थे, इससे पहले दो युवकों ने उन्हें देख लिया। कुत्तों के पैर-मुंह को रस्सी से बांधकर उन्हें बोरी में बंद कर नदी में फेंकने का प्रयास किया गया। वहां से गुजर रहे बाइक सवार दो युवकों ने बोरियों के अंदर से कुत्तों की आवाज सुनी, जिसके बाद उन्होंने कुत्तों को बचाया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दो लोगों पर मामला दर्ज की है। घटना गत शुक्रवार की है। शनिवार को इस मामले का वीडियो सामने आया। ई-रिक्शे में बोरियों के अंदर कुत्तों को बंद कर दो लोग उन्हें नदी में फेंकने ले गए थे। उन्होंने पुल पर ऑटो रोका ही था कि तभी बोरियों के अंदर से कुत्तों के रोने-चिल्लाने की आवाज सुन कर बाइक पर जा रहे परिमल त्रिपाठी और बृजेश यादव नामक युवक वहां रुक गए। उन्होंने ई रिक्शा चालक और उसके साथी से बोरियों के अंदर से आ रही आवाज के बारे में पूछा तो वो गोलमोल जवाब देने लगा।

जिला चिकित्सालय में आज भी है चिकित्सकों की कमी

विकास के दावे भले ही पर चिकित्सकों की कमी आज भी

पन्ना। जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था की बात करें तो लम्बे दसक के बाद जमीनी स्तर पर उप स्वास्थ्य केन्द्र से लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भले ही संचालित हो पर जिला मुख्यालय में मात्र शासकीय अस्पताल ही इलाज को लेकर प्रमुख माना जाता हैं यहां भी चिकित्सकों की कमी लम्बें समय से जस के तस हालात को लेकर बनी हुई है। भले ही आज दावा किया जाये कि स्वास्थ्य की गारंटी को लेकर सरकार के द्वारा आम आदमी के लिए योजनाओं के माध्यम से लाभ पहुंचाने की दिशा तय की जा रही है जब चिकित्सक ही नही तो लाभ कैसे? जिन चिकित्सकों की तैनाती की गई है इन पर इलाज का भरोसा आज भी लोगों में पूरी तौर पर नहीं बन पाया। वहीं हालात बदले वर्तमान समय में जो भी चिकित्सक संवेदनशीलता अलग ही व्यवसाय के रूप में जन्म ले चुकी है जिला अस्पताल के सामने या आजू-बाजू स्वयं चिकित्सक निजीतौर पर प्रक्टिस को महत्व देते हुए उचित मानते है क्योंकि उससे उन्हें तत्कालिक व सीधा लाभ बतौर फीस मिलता है। पर आम आदमी जिसके स्वास्थ्य की गारंटी को लेकर सरकार की मंशा है उस पर पानी जरूर फिर रहा है क्योंकि अब शासकीय अस्पताल में औपचारिकता के हालात इलाज को लेकर सामने आ रहे है। विकास भले ही बताया जाये पर जमीनी हकीकत इलाज को लेकर मानव संसाधन के रूप में सरकार के द्वारा आज भी पूर्ति नहीं की जा पा रही। जिसके चलते बढ़ती हुई आवादी का भार समूचे जिला चिकित्सालय में आये दिन नजर आता है। आखिरकार चिकित्सकों की पदस्थापना जब तक पूर्णरूपेण नहीं होगी कैसे माना जाये स्वास्थ्य की गांरटी।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, मंगलवार 06 अगस्त 2024 | 8

शहरी पथ विक्रेताओं के पंजीयन हेतु निगम आयुक्त डॉ0 सौरभ सोनवणे के निर्देश पर आज से 10 अगस्त तक दोपहर 2:00 बजे से सायं 6:00 तक नगर के मुख्य स्थानों पर विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

जर्जर व अतिजर्जर भवनों को हटाने की कार्यवाही करें

बाढ़ आपदा के समय पूरी सजगता बरतें : कलेक्टर

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों में चिन्हित जर्जर व अतिजर्जर भवनों को हटाने की कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये है। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने निर्देशित किया कि रीवा नगर निगम क्षेत्र सहित नगरीय निकाय के चिन्हित अतिजर्जर भवनों को आगामी तीन दिन में हटा दिया जाय इसमें कार्यवाही कल से ही शुरू कर दें। कलेक्टर ने ग्रामीण क्षेत्रों में टीम भेजकर जर्जर व अतिजर्जर भवनों का चिन्हांकन कर उन्हें हटाने की कार्यवाही किये जाने के भी निर्देश बैठक में दिये।

कलेक्टर ने रीवा नगर निगम क्षेत्र के चार जोन में चिन्हित 24 अतिजर्जर भवनों को तत्काल हटाने की कार्यवाही करने के निर्देश नगर निगम के जोन प्रभारियों को दिये। उन्होंने कहा कि जर्जर भवनों के लिये संबंधितों को नोटिस देकर सुधार करवायें अन्यथा उनको हटाने की कार्यवाही करें। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में आरईएस के उप यंत्रियों की टीम भेजकर जर्जर व अतिजर्जर भवनों का चिन्हांकन करायें तथा ऐसी कोई भी संरचना दिखे जिससे जानमाल को नुकसान होने की आशंका हो उनको तत्काल हटवायें। कलेक्टर ने शासकीय व अशासकीय विद्यालयों के जर्जर भवनों को हटाकर मलवा साफ कराने के निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी मुख्यालय में रहें तथा बाढ़ आपदा के समय पूरी सजगता वरतें। नदी, नालों के किनारों की बसाहटों में बाढ़ आपदा से निपटने की व्यवस्थायें दुरूस्त रखें तथा पुर्नवास स्थलों में भी सफाई पेयजल, विद्युत एवं चिकित्सा की व्यवस्थायें सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने नगर निगम क्षेत्र सहित नगरीय निकायों में अतिजर्जर भवनों को हटाने की जोनवार अब तक की कार्यवाही की जानकारी ली तथा सभी अधिकारियों को अतिवर्षा व आपदा के समय पूरी तरह अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिये। बैठक में वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से एसडीएम भी जुड़े उन्होंने अपने अनुभाग क्षेत्र में की जा रही कार्यवाही की जानकारी दी। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, संयुक्त कलेक्टर पी.के. पाण्डेय, जिला शिक्षा अधिकारी सुदामा लाल गुप्ता सहित नगर निगम के अधिकारी, नगर पंचायतों के सीएमओ, उपयंत्री तथा शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले में उपलब्ध है 11817 टन यूरिया तथा 4662 टन डीएपी

रीवा। आगामी खरीफ फसल के लिए सहकारी समितियों तथा निजी विक्रेताओं के माध्यम से किसानों को खाद की आपूर्ति की जा रही है। सहकारी समितियों में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है। उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने इस संबंध में बताया कि जिले में वर्तमान में 11817.64 टन यूरिया तथा 4662 टन डीएपी उपलब्ध है। इसके साथ-साथ 5587 टन एनपीके, 84.3 टन एमओपी तथा 4914.7 टन सिंगल सुपर फास्फेट भण्डारित है। अब तक किसानों को 14484.18 टन यूरिया, 9236.23 टन डीएपी, 2106.5 टन एनपीके, 17.65 टन एमओपी तथा 3021.23 टन सिंगल सुपर फास्फेट का वितरण किया जा चुका है। जिले में खाद की नियमित आपूर्ति की जा रही है। आगामी एक माह तक जिले को नियमित रूप से खाद के रैक प्राप्त होंगे। खरीफ फसल में कुल 58 हजार 500 टन खाद के उपयोग का अनुमान है।

रीवा में मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 29 अगस्त से

त्योंथर, डभौरा, सिरमौर व मऊगंज में भी आयोजित होगा स्वास्थ्य शिविर

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल के निर्देश पर रीवा जिला मुख्यालय में 29 अगस्त से तीन दिवसीय मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जायेगा। इसी प्रकार त्योंथर में एक सितंबर को, डभौरा में 2 सितंबर को, सिरमौर में 3 सितंबर को तथा मऊगंज में 4 सितंबर को मेगा स्वास्थ्य शिविर आयोजित होगा। अरविंदों चिकित्सालय इंदौर के कुशल चिकित्सा विशेषज्ञों के दल द्वारा संभाग में असंचारी रोगों, ब्लड प्रेशर, डायविटीज, स्टोक तथा कैंसर संबंधी रोगों की स्क्रीनिंग की जाकर समुचित उपचार किया जायेगा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने अरविंदों अस्पताल के चिकित्सक डॉ. विनोद भण्डारी से शिविर आयोजन के विषय में जानकारी ली। इस दौरान बताया गया कि स्वास्थ्य शिविर में चलित डायग्नोस्टिक बसों में कैंसर स्क्रीनिंग हेतु ब्रोस्ट स्क्रीनिंग, सरवाइकल कैंसर, ओरल कैंसर की स्क्रीनिंग की जायेगी तथा मरीजों को इलाज किया जायेगा। इसी प्रकार आई क्लीनिक बस द्वारा मोतियाविंद एवं अन्य नेत्र रोग संबंधित बीमारियों की अत्याधुनिक मशीनों द्वारा जांच की जायेगी। कलेक्टर ने शिविर आयोजन के लिये व्यवस्थाओं की प्रारंभिक तैयारियों की जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक निर्देश दिये। कलेक्टर ने बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में उपस्थित चिकित्सकों को निर्देश दिये कि शिविर आयोजन से पूर्व प्री स्क्रीनिंग के लिये शिविर लगाकर चिन्हांकन करें ताकि इंदौर के चिकित्सकों द्वारा परीक्षण के समय चिन्हांकित मरीजों को बेहतर इलाज मिल सके। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, डीन डॉ. सुनील अग्रवाल अधीक्षक डॉ. राहुल मिश्रा, डॉ. अक्षय श्रीवास्तव, डॉ. नरेश बजाज, डॉ. श्रीमती कल्पना यादव सहित चिकित्सक उपस्थित रहे। वीडियो कांफ्रेसिंग में सीएमएचओ डॉ. संजीव शुक्ला भी जुड़े।

नगर निगम द्वारा सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान के अंतर्गत किया गया जन जागरुकता

रीवा। निगम आयुक्त डॉ0 सौरभ सोनवणे के निर्देशानुसार दिनांक 05/08/2024 को नगर निगम की आईईसी टीम द्वारा शहर के वॉर्ड क्र. 05 पद्मधर कालोनी, वॉर्ड क्र. 04 शांति विहार कालोनी, वॉर्ड क्र. 39 बंसल बस्ती एवं वॉर्ड क्र. 27 नेहरू बस्ती में जन जागरुकता अभियान चलाया गया। अभियान में नागरिकों को जानकारी दी गई कि अपने आसपास साफ सफाई रखें, जिससे होने वाली बीमारियों को रोका जा सके नागरिकों को समझाइश दी गई कि जो आपके घरों से कचरा निकलता है, उसको बाहर न फेकें डोर टू डोर कचरा वाहन में दें। हम जितना अपने शहर को साफ और स्वच्छ रखेंगे उतना ही बीमारियो को दूर भगाएंगे। नगर निगम द्वारा सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान के अंतर्गत 24 घंटे 7 दिवस हेल्पलाइन नम्बर 07662-254568 जारी किया है। इस हेल्पलाइन नम्बर में साफ सफाई की किसी भी शिकायत को दर्ज़ कराकर निराकरण प्राप्त किया जा सकता है।

विधिक साक्षरता शिविर का हुआ आयोजन

रीवा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री राकेश मोहन प्रधान एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री आशीर्वाद भिलाला के नेतृत्व में शासकीय उत्कृष्ट अनुसूचित जाति सीनियर कन्या छात्रावास रीवा में बाल सरंक्षण सप्ताह अभियान के अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति व्यक्तियों के कानूनी अधिकार एवं उनसे संबंधित प्रशासन की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने हेतु शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री आशीर्वाद भिलाला ने अनुसूचित जाति जनजाति अधिनियम के बारें में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने उपस्थित छात्र-छात्राओं को नालसा गरीबी उन्मूलन योजना एवं नालसा आदिवासियों के संरक्षण एवं प्रवर्तन के लिए विधिक सेवा योजना के बारें में विस्तार से जानकारी दी। जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री अभय कुमार मिश्रा ने नि:शुल्क विधिक सहायता योजना, साइबर कानूनों, लोक अदालत के बारें में विस्तार से बताया। श्री कौशलेस पटेल ने अनुसूचित जाति एवं जनजातीय के लिये शासन की योजनाओं की जानकारी दी। अनीश पाण्डेय ने पॉक्सो अधिनियम, मौलिक अधिकार के बारें में जानकारी दी। शिविर मे आभार विद्यालय के प्रचार्य श्री प्रभाकर तिवारी ने किया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रभाकर तिवारी, श्रीमती रीता त्रिपाठी, छात्रावास अधीक्षक, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राऐ उपस्थित रहे।

जिले में वर्षा का दौर थमा, नदी-नालों का जल स्तर उतार पर

जिले में अब तक 275.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

रीवा। जिले में तीन दिनों से हो रही लगातार वर्षा के बाद 4 अगस्त को वर्षा का दौर थम गया। जिले में 5 अगस्त को 2.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। लगातार वर्षा के कारण बीहर, बिछिया और टमस नदों सहित अन्य नदी-नालों के जल स्तर में 4 अगस्त को तेजी से वृद्धि हुई थी। रीवा शहर की बिछिया, निपनिया, झिरिया तथा बाँसघाट बस्तियों के कई घरों तक पानी पहुंच गया था। वर्षा का दौर थमने से 4 अगस्त को रात 10 बजे के बाद नदियों का जल स्तर घटना शुरू हो गया। जिले में 5 अगस्त को नदी-नालों का जल स्तर उतार पर है। जिले के किसी भी क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति नहीं है। नदी-नाले सामान्य जल स्तर पर बह रहे हैं। प्रशासन किसी भी स्थिति से निपटने के लिए लगातार तैयारी बनाए हुए है। जिले में एक जून से अब तक कुल 275.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। इस संबंध में अधीक्षक भू अभिलेख ने बताया कि इस अवधि में तहसील हुजूर में 324.7 मिलीमीटर, रायपुर कर्चुलियान में 134.5, गुढ़ में 442 मिलीमीटर, सिरमौर में 326.8 मिलीमीटर, त्योंथर में 155.5 मिलीमीटर, सेमरिया में 254 मिलीमीटर, मनगवां में 394 मिलीमीटर तथा तहसील जवा में 173 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

जिले में 16 साल तक के बच्चों को लगेंगे डीपीटी के टीके

प्रत्येक गुरुवार होगा टीकाकरण-126994 बच्चों को लगेंगे टीके

रीवा। डिप्थीरिया से बचाव के लिए जिले में 8 अगस्त से विशेष टीकाकरण अभियान शुरू किया जा रहा है। अभियान के तहत पाँच साल से 16 वर्ष तक की आयु के अनुमानित 126994 बच्चों को डीपीटी तथा टीडी के टीके लगाए जाएंगे। बच्चों के टीकाकरण के लिए प्रत्येक गुरूवार को शासकीय स्कूल में टीकाकरण शिविर लगेंगे। टीकाकरण अभियान के तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि जिला शिक्षा अधिकारी स्कूलों में दर्ज पाँच साल से 16 वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों की स्कूलवार सूची मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दो दिवस में उपलब्ध करा दें। साथ ही स्कूल में प्रार्थना के बाद तथा बाल सभा के बाद बच्चों को डिप्थीरिया के टीकाकरण की जानकारी दें। सूची में शामिल सभी बच्चों का स्वास्थ्य विभाग से समन्वय बनाकर टीकाकरण कराएं। बैठक में डॉ सुनील अवस्थी ने टीकाकरण अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि विशेष अभियान में 16 साल तक के सभी बच्चों को डीपीटी के टीके लगाए जाएंगे। पाँच से छः साल के बच्चों को डीपीटी के टीके लगेंगे। इससे अधिक आयु के तथा 16 साल तक के बच्चों को टीडी के टीके लगाए जाएंगे। इसके लिए सभी शासकीय स्कूलों में शिविर लगाए जाएंगे। शिविर लगाने के लिए चार हजार चार सौ 98 स्कूल निर्धारित कर दिए गए हैं। इनमें एक लाख 26 हजार 994 बच्चों को टीके लगाए जाएंगे। टीकाकरण अभियान 8 अगस्त से शुरू होगा। इसके बाद अगस्त, सितम्बर तथा अक्टूबर माह में प्रत्येक गुरूवार को स्कूलों में शिविर लगाकर डीपीटी के टीके लगाए जाएंगे। डीपीटी और टीडी बहुत ही सुरक्षित टीका है। इसको लगाने के बाद बच्चों में डिप्थीरिया, काली खाँसी और टिटनेस से पूरी तरह से बचाव होगा। टीकाकरण के लिए आँगनवाड़ी केन्द्रों तथा अस्पतालों में भी शिविर लगाए जाएंगे। डॉ अवस्थी ने टीकाकरण अभियान के लिए बनाई गई कार्य योजना की बिन्दुवार जानकारी दी।

अवैध विकसित कालोनियों के विरूद्ध की गई कार्यवाही

नदी के किनारे अवैध कालोनियों के विरूद्ध की गई कार्यवाही

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल के निर्देश पर शहर में अवैध विकसित कालोनियों के विरूद्ध कार्यवाही की गई। एसडीएम हुजूर वैशाली जैन ने प्रशासनिक अमले के साथ अवैध विकसित कालोनियों का निरीक्षण किया तथा बिना अनुमति एवं नियमों का पालन न करते हुए विकसित की जा रही कालोनियों के विरूद्ध कार्यवाही की। एसडीएम द्वारा करहिया पुल के समीप नदी के किनारे बनाई जा रही शाही बिल्डर्स में निर्माण कार्य को रोका गया बिल्डर्स द्वारा एनजीटी की गाइडलाइन का उल्लंघन कर कालोनी विकसित की जा रही है तथा नदी के तट पर सटाकर कालोनी का निर्माण किया जा रहा है। इसी प्रकार शांति विलास कालोनी में नाले से कब्जा हटाने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान शांति रायल स्टेट के बिना अनुमति निर्माण कार्य को हटाया गया। कलेक्टर ने बताया कि नदी के किनारे नियम विरूद्ध विकसित की जा रही तथा मापदण्डों को पूरा न करने वाली कालोनियों के विरूद्ध कार्यवाही की गई। नदी का बहाव सकरा न हो तथा एनजीटी का पालन हो इसलिए यह कार्यवाही की गई।

जर्जर भवनों को गिराने की कार्यवाही तत्काल करें : कलेक्टर मऊगंज

रीवा। कलेक्टर मऊगंज अजय श्रीवास्तव ने अधिकारियों को जर्जर भवनों को तत्काल गिराने के निर्देश दिए हैं। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने कहा कि मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के जर्जर मकानों को तत्काल चिन्हित कर लें। कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग मकानों के संबंध में तत्काल रिपोर्ट दे दें। साथ ही जर्जर भवनों को गिराने की कार्यवाही करें। कलेक्टर ने कहा कि मऊगंज नगर परिषद क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण का कार्य तेजी से पूरा कराएं। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सड़क तथा नाली निर्माण की बाधाओं को दूर कर निर्माण को गति दें। निजी भवनों में संचालित आंगनवाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण कर लें। यदि उनकी स्थिति ठीक नहीं है तो तत्काल आंगनवाड़ी केन्द्रों का संचालन सुरक्षित भवन में कराने की व्यवस्था करें। बैठक में कलेक्टर ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के संबंध में भी अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में एसडीएम मऊगंज बीके पाण्डेय, नगर परिषद अध्यक्ष श्री बृजवासी पटेल, पार्षदगण, मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

प्राकृतिक आपदा में ड्यूटी लगने पर तत्काल उपस्थित हों

सभी कार्यालय प्रातः 10 बजे से शुरू होना सुनिश्चित करें : कलेक्टर

रीवा। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित साप्ताहिक बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि कार्यालय प्रमुख अपने कार्यालय को प्रातः 10 बजे से शुरू होना सुनिश्चित करें। जिला, विकासखण्ड तथा ग्राम स्तर के कार्यालयों के सभी अधिकारी और कर्मचारी प्रातः 10 बजे कार्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। अपर कलेक्टर तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारी कार्यालयों का निरीक्षण करके शासन के कार्यालय संचालन के संबंध में दिए गए निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराएं। जिले में पिछले दो दिनों में लगातार बारिश होने से रीवा शहर तथा कुछ अन्य क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। प्राकृतिक आपदा में ड्यूटी लगने पर अधिकारी और कर्मचारी तत्काल अपनी उपस्थिति दें। सभी एसडीएम तथा तहसीलदार अपने क्षेत्र में नदी-नालों के जल स्तर पर निगरानी रखें। जिन सड़कों और छोटे पुलों में अधिक वर्षा होने पर पानी आ जाता है वहाँ सुरक्षा सैनिक तैयार करने के साथ आवागमन रोकने के लिए बैरियर लगाएं। बाढ़ तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के लिए सभी विभाग मिलकर समन्वय से प्रयास करें। प्राकृतिक आपदा से जुड़ी सूचनाएं समय पर एक-दूसरे को उपलब्ध कराएं।

कलेक्टर ने कहा कि कार्यपालन यंत्री जल संसाधन बीहर और बिछिया नदियों के जल स्तर पर सतत नजर रखें। इनके जल ग्रहण क्षेत्रों में लगातार वर्षा होने पर नदियों के जल स्तर में संभावित वृद्धि का पूर्वानुमान लगाकर कंट्रोल रूम को अवगत कराएं। आयुक्त नगर निगम रीवा शहर में मोहल्लों से जल निकासी की व्यवस्था के साथ निचली बस्तियों में जल भराव होने पर चिन्हित 13 स्थानों में राहत शिविरों की व्यवस्था कराएं। इन शिविरों में जिम्मेदार अधिकारी तैनात कर बाढ़ पीड़ितों के आवास, भोजन, पेयजल, बिजली तथा प्राथमिक उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करें। जिला परिवहन अधिकारी सभी बस मालिकों को पुल पर पानी होने पर बसें न निकालने के लिए सचेत करें। सभी एसडीएम प्राकृतिक आपदा से राहत राशि के प्रकरण तत्काल दर्ज कराएं।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन के जुलाई माह में दर्ज तथा 50 दिनों से अधिक समय से लंबित आवेदनों का प्राथमिकता से निराकरण करें। कार्यपालन यंत्री पीएचई हैण्डपंप सुधार की सभी 1529 शिकायतें एक सप्ताह में निराकृत कराएं। नल-जल योजनाओं के संचालन से जुड़ी शिकायतों को जनपद पंचायत के समन्वय से निराकृत करें। कार्यपालन यंत्री जल संसाधन जवा तहसील में नहर के क्षतिगस्त होने के संबंध में दो दिवस में रिपोर्ट प्रस्तुत करें साथ ही दोषियों के विरूद्ध कार्यवाही प्रस्तावित करें। कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग जर्जर भवनों के संबंध में विभिन्न कार्यालयों द्वारा माँगी गई रिपोर्ट 24 घण्टे में प्रदान कर दें। नगरीय निकाय तथा जनपद पंचायत् जर्जर भवनों को तत्काल गिराने की कार्यवाही करें।

कलेक्टर ने कहा कि जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास लाड़ली लक्ष्मी योजना की सभी शिकायतों का निराकरण करें। जिला शिक्षा अधिकारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सहायक संचालक एवं पिछड़ावर्ग, अधीक्षण यंत्री विद्युत मण्डल तथा संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय बड़ी संख्या में लंबित शिकायतों का निराकरण करें। लोक सेवा गारंटी योजना के तहत दर्ज प्रकरणों का भी समय सीमा में निराकरण करें। बैठक में कलेक्टर ने राजस्व महाअभियान, पशुओं के टीकारण, गौशालाओं के संचालन, जल प्रपातों में सुरक्षा के उपाय तथा स्कूली बच्चों के टीकाकरण के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि केवल विभागीय जाँच लंबित होने पर ही प्राविधिक पेंशन स्वीकृत करें। पेंशन प्रकरणों की अन्य आपत्तियाँ निराकृत कराकर सेवानिवृत्त कर्मचारी को समय पर पेंशन का भुगतान करें। जिला कोषालय अधिकारी अधिकारियों तथा कार्यालय सहायकों को पेंशन प्रकरणों के निराकरण के संबंध मे प्रशिक्षण दें। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर श्रेयश गोखले तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी, आर.एन.आई नं. 47589/88, डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833